राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 17 जून 2024 वर्ष–7,अंक–144 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

हैकिंग के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज, कहा

ईवीएम किसी ओटीपी से अनलॉक नहीं होती

मुंबई । मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर घमासान मच गया है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल के नेता आमने-सामने आ गए हैं। अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने मुंबई में ईवीएम पर मचे घमासान पर सफाई देते हुए कहा कि आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगो ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। इस मामले में पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पेपर के रिपोर्टर को समझाने की कोशिश की थी। आईपीसी की धारा 505 और 499 के तहत उन्हें नोटिस भेजेंगे। गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उनका खुद का मोबाइल था। पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा।

जेडीयू नेता ने इंडी को दिखाया आईना...कर दी बोलती बंद

नई दिल्ली । नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन गए हैं। मोदी सरकार 3.0 की शपथ ग्रहण के बाद अब सभी की निगाह लोकसभा स्पीकर के चुनाव पर रुक गई है। ये चुनाव 26 जून को होगा। इस चुनाव को लेकर विपक्ष लगातार बीजेपी पर हमलावर दिख रहा है। विपक्ष ने एनडीए के सहयोगियों को कहा हैं कि उन्हें अपनी पार्टी के किसी सदस्य को लोकसभा का स्पीकर बनाना चाहिए। अगर बीजेपी का स्पीकर बनता हैं, तब वे उनकी पार्टी तोड़ने की कोशिश कर सकते हैं। इस पर अब जेडीयू प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने विपक्ष पर पलटवार किया है। विपक्ष के आरोपों पर जेडीयू नेता त्यागी ने पलटवार कर कहा, स्पीकर का पद सदन का सबसे मर्यादित पद होता है, उस पद के लिए पहला हक सत्तारुढ़ पार्टी का होता है। जो इंडी गठबंधन की मांग और उनके बयान आपत्तिजनक हैं। भाजपा या एनडीए गठबंधन का उस पद पर पहला हक है और हमारी पार्टी का मानना है कि भाजपा गठबंधन की बड़ी पार्टी है, इसकारण उसका अधिकार पहले है। हम 35 साल से एनडीए में हैं। एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि भाजपा ने जेडीयू को तोड़ने की कोशिश की हो।

धारावी की ज़मीन सरकारी विभागों को हस्तांतरित की जाएगी, इसका केवल पुनर्विकास करेगा अडानी समूह

मुंबई। करोड़ों रुपये की मुंबई की धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना में अडानी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं है। सूत्रों के अनुसार, परियोजना में जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को हस्तांतरित की जाने वाली है। साथ ही अहमदाबाद ग्रुप सिर्फ प्रोजेक्ट डेवलपर के तौर पर मकान बनाएगा और ये मकान उन्हीं विभागों को दिए जाएंगे. ये घर बाद में एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती के निवासियों को दिए जाएंगे। इस मामले में कांग्रेस की सांसद वर्षा गायकवाड़ ने जमीन हड़पने का आरोप लगाया है. इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि भूमि के भूखंडों को केवल राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किया जाना है। अडानी समूह ने एक खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी स्लम पुनर्विकास परियोजना जीती थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा। परियोजना के बारे में गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश करते हुए सूत्रों ने कहा कि निविदा के अनुसार, जमीन सरकार द्वारा निर्धारित दर पर डीआरपी/एसआरए को दी जाएगी। यदि डीआरपीपीएल को विकास अधिकार मिल गया है, तो राज्य सहायता समझौता निविदा दस्तावेज़ का हिस्सा है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य सरकार अपने स्वयं के डीआरपी/एसआरए विभाग को भूमि प्रदान करके परियोजना का समर्थन करेगी। रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी निवासियों के पहले समूह के लिए पुनर्वास इकाई का निर्माण किया जाना है, सूत्रों ने कहा कि यह निविदा से पहले डीआरपी को दी गई थी, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित राशि से 170 प्रतिशत अधिक प्रीमियम का भुगतान किया था। सूत्रों ने कहा कि ये आरोप गलत हैं कि धारावी के निवासियों को धारावी से बेदखल कर दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा. ये आरोप पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं और लोगों में चिंता पैदा करने के लिए लगाए गए हैं। साथ ही 2022 के सरकारी आदेश में यह भी कहा गया है कि धारावी में सभी (पात्र या अपात्र) को घर दिया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धारावी के किसी भी निवासी को डीआरपी/एसआरए योजना के तहत विस्थापित नहीं किया जाएगा। 1 जनवरी 2000 या उससे पहले के मकानों के धारक पुनर्वास के पात्र होंगे।

उत्तर भारत में गर्मी का प्रकोप जारी...

प्रयागराज में 45, गोरखपुर में 42 डिग्री पहुंचा पारा, गुजरात में मानसून रुका, मप्र में 3 दिन बाद पहुंचेगा

मानसून दरवाजे पर...हिटवेव से 472 की मौत

नई दिल्ली।

देश में एक तरफ मानसून की गतिविधियां बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ उत्तर भारत में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। आगामी दिनों में भी इससे राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिल्ली, सहित उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्र और बिहार में भी कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है। मौसम विभाग की मानें तो फिलहाल गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नहीं है। यूपी की गर्मी अब रिकॉर्ड तोड़ रही है। रविवार शाम 4 बजे प्रयागराज में 45, गोरखपुर में 42 डिग्री पारा पहुंच गया। यूपी में शनिवार को एक ही दिन में 3 4 लोगों की मौत हो गई। अगर पूरे देश की बात करें तो इस साल अब तक हिटवेव से करीब 472 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश में इन दिनों एक्सट्रीम हीट वेव का असर जारी है। जबकि झारखंड, बिहार और पंजाब के कई क्षेत्र में भी हीटवेव का असर देखने को मिल रहा है। चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम झारखंड और उत्तर राजस्थान के कई हिस्सों में तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। अब रातें बेहद गर्म हो रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जून तक यूपी में मानसून आएगा। पूर्वांचल के रास्ते मानसून यूपी में एंट्री करेगा। अभी मानसून बिहार पहुंचा है।

यूपी में एक दिन में 34 की मौत

उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से लू और गर्मी की चपेट में हैं। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों में गर्मी से 33 लोगों की मौत हो गई। कानपुर और बुंदेलखंड में गर्मी के चलते 20 लोगों की मौत हो गई। इनमें कानपुर में आठ, चित्रकूट में छह, महोबा में तीन और बांदा व हमीरपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसके अलावा वाराणसी और आसपास भी गर्मी से 14 लोगों की जान चली गई। इनमें वाराणसी में सात, बलिया में तीन, मिर्जापुर में दो और गाजीपुर व सोनभद्र में एक-एक की व्यक्ति की जान गई है।

गर्मी को लेकर अलर्ट जारी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग लगातार देश के अलग-अलग इलाकों में गर्मी को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है। फिलहाल जो अलर्ट जारी किया गया है वो चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के मौसम को लेकर है। तापमान 43 से 47 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि लोग दिन के समय बाहर न निकलें। सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें। खुद को ढक कर रखें। पानी पीते रहे। कोई भी परेशानी हो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। यह काम हर साल मौसम विभाग करता है लेकिन इसके बावजूद लोग हीटवेव की चपेट में आ ही जाते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सात दिनों तक मौसम इसी तरह रहेगा। पारा सिर चढ़कर बोलेगा। गर्मी होगी। अगर हम बात करें की हीटवेव की वजह से मरने वाले लोगों की तो साल 2015 से 2023 तक हीटवेव की वजह से कुल मिलाकर देश में 4057 लोग मारे गए हैं।

अटक गया मानसून

मध्य प्रदेश, राजस्थान में प्री-मानसून एक्टिविटी जारी है। वहीं, गुजरात में चार दिन पहले एंट्री लेने के बाद मानसून रुक गया है। बीते दो दिनों में एमपी-राजस्थान के 10 जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, 10-14 जून के बाद से मानसून कमजोर हुआ है, जिसके चलते मध्यप्रदेश में मानसून में देरी हो रही है। मप्र और अन्य राज्यों में इसकी 18-19 जून तक एंट्री होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल समेत नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों (नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम, मेघालय, सिक्किम) में आज यानी 16 जून से 19 जून तक बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज।

तापमान 46 डिग्री और आसमान से बरसती आग के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा दशहरा पर पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र होने से संगम पहुंचने वाले मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। गंगा दशहरा अर्थात गंगा अवतरण दिवस के अवसर पर रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम स्थल पर डुबकी लगा पुण्य अर्जित किया। सुबह से श्रद्धालुओं के संगम तट आने का क्रम जारी हो गया था। चिलचिलाती धूप और 46 डिग्री तापमान की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं ने संगम स्थल पहुंच पवित्र स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन कर पूजन अर्चन किया। संगम पहुंच रहे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते अधिकांश मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। जाम की स्थिति को देखते हुए जीटी जवाहर और अलोपी बाग से संगम की ओर वैकल्पिक मार्ग बनाया गया था, लेकिन वहां पर भी भीषण जाम का नजारा देखने को मिला। गंगा दशहरा पर संगम समेत राम घाट

पर गंगा आरती और अन्य धार्मिक आयोजन किए गए। रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं के संगम तट पहुंचने का जो सिलसिला शुरू हुआ वह देर तक जारी रहा।

अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी पहुंचे

यहां संगम में पहुचने वाले स्थानीय, जनपद के अलावा बिहार, बंगाल, दक्षिण भारत, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से भी श्रद्धालु पहुंचे और दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। भीषण गर्मी के बावजूद गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगा पुण्य लाभ कमाया है।

दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल ब्रिज पर चली ट्रायल ट्रेन

नई दिल्ली ।

जम्मू-कश्मीर में बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब रेल ब्रिज पर ट्रायल ट्रेन का परीक्षण सफल रहा। अब इस ब्रिज पर जल्द ही ट्रेन दौड़ती नजर आएगी। चिनाब नदी से लगभग 359 मीटर ऊपर बना यह पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है।रेलवे अधिकारियों ने रविवार को रामबन जिले के संगलदान और जम्मू कश्मीर के रियासी के बीच नवनिर्मित चिनाब रेल पुल का निरीक्षण किया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पहली ट्रायल ट्रेन संगलदान से रियासी तक सफलतापूर्वक चली है, इसमें चिनाब ब्रिज को पार करना भी शामिल है। यूएसबीआरएल के लिए सभी निर्माण कार्य लगभग समाप्त हो चुके हैं, केवल सुरंग संख्या एक आंशिक रूप से अधूरी है। चिनाब रेल पुल के निर्माण में कुल 30,000 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। इस पुल का निर्माण 1486 करोड़ की लागत से किया गया है। यह 260 किमी प्रति घंटे तक की हवा की गति का सामना कर सकता है। इस ब्रिज का निर्माण उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के तहत किया गया है।

ट्रेन 7 स्टेशनों से होकर बारामूला पहुंचेगी। इसका मकसद घाटी के लोगों के आने-जाने को आसान बनाना है।

आतंकवाद को कुचलें, मददगारों को भी न बख्शें

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की बैठक, दिए निर्देश

नई दिल्ली।

गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में रविवार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जाए। 21 जून को योग दिवस के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को श्रीनगर जा रहे हैं। 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही है। इसे देखते हुए शाह ने अधिकारियों से यात्रा रूट और नेशनल हाईवे पर अतिरिक्त बलों की तैनाती करने कहा है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा फोकस

मीटिंग के दौरान गृह मंत्री शाह का पूरा फोकस अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा। पिछले साल 4.28 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा पर आए थे। इस बार यह आंकड़ा पांच लाख तक जा सकता है। यह कहा जा रहा है कि इस बार सभी तीर्थयात्रियों को स्पेशल कार्ड दिए जा सकते हैं, ताकि उनकी असली लोकेशन का पता लगाया जा सके। इसके अलावा सभी को 5 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जाने वाले प्रत्येक जानवर के लिए 50 हजार का बीमा कवर भी होगा। शाह ने एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से बेस कैंप तक सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर जोर दिया है।

यात्रा के लिए 500 कंपनियां तैनात होंगी

अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। यात्रा से पहले केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबलों की 500 कंपनियों को घाटी में तैनात करने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ समेत केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल की 500 कंपनियों को अमरनाथ यात्रा के रूट पर तैनात किया जाएगा।

लोकसभा स्पीकर पद को लेकर राजनीतिक खींचतान

डिप्टी-स्पीकर पद नहीं मिला तो इंडिया स्पीकर का चुनाव लड़ेगा

विपक्ष को यह पद देने की परंपरा, पिछली लोकसभा में डिप्टी स्पीकर नहीं था

नई दिल्ली । 18वीं लोकसभा का पहला सत्र अगले हफ्ते यानी 24 जून से शुरू होने वाला है। यह सत्र 9 दिन यानी 3 जुलाई तक चलेगा। 26 जून से लोकसभा स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसी खबरें हैं कि भाजपा ओम बिड़ला को दूसरी बार स्पीकर बना सकती है, वहीं चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जदयू स्पीकर पद मांग रही हैं। इधर विपक्षी खेमा इंडिया गुट भी लोकसभा में मजबूत स्थिति में है। ऐसे में उसे उम्मीद है कि डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष के किसी सांसद को मिलेगा। हालांकि सूत्रों ने बताया है कि अगर विपक्ष के सांसद को डिप्टी स्पीकर पद नहीं मिलता है तो विपक्षी खेमा स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारेगा। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परम्परा रही है। 16वीं लोकसभा में एनडीए में शामिल रहे अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई को यह पद दिया गया था। जबकि, 17वीं लोकसभा में किसी को भी डिप्टी स्पीकर नहीं बनाया गया था।

अहम होता है स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का पद

स्पीकर का पद सत्ताधारी पार्टी या गठबंधन की ताकत का प्रतीक होता है। वहीं लोकसभा के कामकाज पर स्पीकर का ही कंट्रोल होता है। संविधान में स्पीकर के साथ डिप्टी स्पीकर के चुनाव का भी प्रावधान है, जो स्पीकर की गैर-मौजूदगी में उसकी ड्यूटी पूरी करता है। माना जा रहा है कि ओम बिड़ला को स्पीकर बनाने के साथ भाजपा की आंध्र प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी को लोकसभा उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। पुरंदेश्वरी चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी की बहन हैं। उन्होंने नायडू का उस वक्त समर्थन किया था, जब उनकी अपने ससुर एनटी रामाराव का तख्तापलट करने पर आलोचना हो रही थी। ऐसे में उन्हें डिप्टी स्पीकर बनाया जाता है तो नायडू पर सॉफ्ट प्रेशर रहेगा। उनकी पार्टी पुरंदेश्वरी का विरोध नहीं कर पाएगी।

अखिलेश यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी बिजली दरों को जनता की कमर तोड़ने की साजिश करार दिया

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने ग्रामीण आपूर्ति फीडरों को शहरी फीडर में बदलकर नगरीय दर से बिलिंग कराये जाने का आदेश जारी किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे जनता की कमर तोड़ने की साजिश करार दिया है।

दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मंगलवार को इस मामले पर विद्युत नियामक आयोग में पावर कारपोरेशन निदेशक मंडल के खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल करने और इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में लाने का फैसला किया है। सपा प्रमुख ने बयान में कहा कि लोकसभा चुनाव में अपनी हार से बौखलाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार प्रदेश के मतदाताओं को हर तरह से परेशान करके बदला लेने पर उतारू हो गई है। उन्होंने कहा, राज्य में बिजली-पानी का संकट गहराता जा रहा है। लाखों परिवार बिलख रहे हैं। भाजपा सरकार इसके बाद भी बिजली दरें दोगुनी कर रही है। यह जनता की कमर तोड़ने की साज़िश है। यादव ने कहा, वैसे भी कानून के तहत ग्रामीण फीडर के शहरी फीडर में परिवर्तन की घोषणा का अधिकार मुख्यमंत्री का है। क्या पावर कारपोरेशन ने मुख्यमंत्री का अधिकार भी अधिग्रहित कर लिया है? राज्य के ग्रामीण इलाकों को मिलने वाली बिजली को महंगी करने की साजिश के तहत ग्रामीण फीडर को शहरी फीडर में बदलने से उपभोक्ताओं को दो रुपये प्रति यूनिट बिजली महंगी मिलेगी। इस फैसले से करीब दो करोड़ 85 लाख उपभोक्ता प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा, ग्रामीण इलाकों में घरेलू उपभोक्ताओं को 3.35 रूपये यूनिट की दर से बिजली की कीमत चुकानी होती है। अगर पावर कारपोरेशन का निर्णय लागू हो गया तो ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भी शहरी इलाकों की तरह साढ़े पांच रूपए प्रति यूनिट के हिसाब से चुकाना होगा। जनता के साथ यह धोखा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को विद्युत आपूर्ति के आधार पर ग्रामीण फीडर को शहरी फीडर में तब्दील करके नगरीय दर पर बिलिंग करने का आदेश दिया था। हालांकि, अभी यह लागू नहीं किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए इसके खिलाफ विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर करने का फैसला किया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल द्वारा पारित आदेश पूरी तरह गलत और असंवैधानिक है। उपभोक्ता परिषद मंगलवार को इस मामले पर विद्युत नियामक आयोग में अवमानना याचिका लगाएगा और इस पूरे मामले के बारे में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में भी लाया जाएगा।

संपादकीय

बराबरी का प्रश्न

निस्संदेह, दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक दिये जाने के लिये विभिन्न मंचों से लगातार आवाज उठती रही है। वहीं दुनिया के कई संगठन चुनिंदा आंकड़ों के जरिये पूरी दुनिया में लैंगिक स्थिति मापने का दावा भी करते रहे हैं। यह भी तथ्य है कि सदियों तक औपनिवेशिक शासन के अधीन रहने वाले विकासशील देश विकसित देशों की महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति का मुकाबला नहीं कर सकते। फिर दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले एक देश की तुलना छोटे देश आइसलैंड से कदापि नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़े नीति-नियंताओं को आत्ममंथन का मौका जरूर देते हैं। समाज के लिये भी यह विचारणीय प्रश्न है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है। निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर संकट वास्तविक है। जो हमारी विकास योजनाओं और नीतियों के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता बता रही है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है। हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। हालांकि, किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। लेकिन विश्व आर्थिक मंच के आंकड़े हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर उपलब्ध कराते हैं। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिली-जुली सरकार के जनादेश के निहितार्थ

विश्वनाथ सचदेव

'फिर एक बार मोदी सरकार' और 'अबकी बार 400 पार' के नारों के साथ देश में नयी सरकार का गठन हो गया है। सरकार नयी तो है इसमें कोई संदेह नहीं, पर सत्तारूढ़ पक्ष द्वारा कोशिश यही बताने की हो रही है कि कहीं कुछ बदला नहीं है, कल जो सरकार थी वही आज भी है और कल भी वही रहेगी- मोदी सरकार। कार्पोरेट जगत की परिपाटी के अनुसार नयी सरकार को 'मोदी 3.0' कहा जा रहा है। यह सही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही नयी सरकार बनी है, पर सही यह भी है कि यह सरकार मोदी या भाजपा की नहीं बीजेपी के नेतृत्व वाली मिली-जुली सरकार है। 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव-परिणाम स्पष्ट बता रहे हैं कि मतदाता ने भाजपा को लोकसभा में सबसे बड़ा दल तो बनाया है, पर इतना बड़ा भी नहीं कि उसका एकछत्र राज हो सके। कहने को तो पिछली दो सरकारें भी एनडीए की मिली-जुली सरकारें ही थीं, पर बाकी दलों पर भाजपा की अनुकंपा वाली स्थिति थी। इस बार ऐसा नहीं है। तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की 'अनुकम्पा' के बिना भाजपा की मोदी 3.0 सरकार चल नहीं सकती। इसीलिए ऐसा माना जा रहा है कि अब भाजपा की जोर-जबरदस्ती नहीं चलेगी। गठबंधन धर्म का मतलब ही यही है- सभी घटक दल एक-दूसरे का सम्मान करें! वर्चस्व तो बड़े दल का रहेगा पर दादागीरी किसी की नहीं चलेगी। देश में गठबंधन सरकारों का सिलसिला बहुत पुराना है। जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में जब स्वतंत्र भारत की पहली सरकार बनी थी तो उन्होंने स्वेच्छा से कांग्रेस से इतर दलों के नेताओं को अपनी सरकार का हिस्सा बनाया था। बाबा साहेब अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेता इसी नीति के तहत तत्कालीन सरकार का हिस्सा बने थे, और तब तक बने रहे, जब तक उन्हें लगा कि बहुमत वाली कांग्रेस उन पर निर्णय थोप नहीं रही। बाद में भी कई गठबंधन सरकारें देश में बनी हैं। नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार मिली-जुली सरकारों के अच्छे उदाहरणों में गिनी जाती हैं। वाजपेयी ने तो अपनी गठबंधन सरकार की सफलता के लिए कश्मीर और अयोध्या जैसे विवादित मुद्दों को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया था। ऐसा समझौता गठबंधन की सरकार की सफलता का एक आधार होता है। सभी घटकों की विचारधारा को सम्मान मिले, इसे ध्यान में रखकर ही गठबंधन सरकारों में अक्सर सहमति के आधार पर न्यूनतम कार्यक्रम तय किए जाते हैं। नयी सरकार ने अभी तक ऐसा कोई कार्यक्रम तय नहीं किया है। संभव है अंदरखाने इस संदर्भ में कोई बातचीत हुई हो। पर नीतियों के बारे में सामान्य सहमति गठबंधन सरकार की सफलता की एक शर्त है, इसे भुलाया नहीं जाना चाहिए। आदर्श स्थिति तो यह है कि गठबंधन ऐसे दलों के बीच में हो जिनकी बुनियादी नीतियों में कोई समानता हो। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। अक्सर गठबंधन का आधार सत्ता में हिस्सेदारी ही होता है। हैरानी तो इस बात पर भी होती है कि अक्सर एक-दूसरे के धुर विरोधी सत्ता के 'फेविकोल' से जुड़ जाते हैं। मौजूदा सरकार की ही बात करें, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को क्या-क्या नहीं कहा, और इन दोनों ने भी भाजपा के नेतृत्व को कब बख्शा? इस सबके बावजूद आज यह सब सत्ता में भागीदारी कर रहे हैं। दोनों ही तरफ से पिछले व्यवहार के लिए किसी प्रकार का खेद प्रकट नहीं किया गया है, और न यह कहा गया है कि उनसे कुछ ग़लती हुई थी। आदर्श स्थिति तो यह है कि सत्ता के लिए गठबंधन का हिस्सा बनने वाले अपने मतदाताओं से क्षमा मांग कर ही ऐसा करें। पर आदर्श वास्तविकता कब होते हैं? हमारे राजनेता गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर हैं और यह भी समझते हैं कि जनता की याददाश्त बहुत कमज़ोर होती है, मतदाता अगले चुनाव आने तक सब कुछ भूल जायेगा। बहरहाल, कभी-कभी गठबंधन सरकारें एक आवश्यकता, या कहना चाहिए विवशता, भी बन जाती हैं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि बड़ा घटक दल छोटे के विचारों और भावनाओं का सम्मान करेगा। अब सवाल यह उठता है कि क्या हमारी वर्तमान सरकार में ऐसा कुछ होते हुए दिख रहा है। कहा जा सकता है कि अभी बहुत जल्दबाजी होगी इस संदर्भ में कोई निष्कर्ष निकालने में। लेकिन जिस तरह से मंत्रिमंडल का गठन हुआ है, और जिस तरह सभी महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पिछले मंत्रियों को ही बिठाया गया है, और जिस तरह पहले सौ दिन के कार्यक्रम घोषित किये जा रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि भाजपा इस सरकार को पिछली दो सरकारों की अगली कड़ी के रूप में ही दिखाना चाहती है-इसीलिए एनडीए सरकार के बजाय 'मोदी 3.0' सरकार कहने पर जोर दिया जा रहा है। यह सच है कि मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं, और इस दृष्टि से वह नेहरू के बाद ऐसा कर पाने वाले पहले व्यक्ति बन गये हैं, पर इस बात को भी समझा जाना चाहिए कि तीसरी बार सत्ता में आने के लिए मोदी की भाजपा को पिछली दो बार से कम सफलता मिली है- संसद में भाजपा के सांसदों की संख्या कम हुई है! इसका सीधा-सा मतलब है मतदाताओं में प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकार्यता कम हुई है- यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि भाजपा ने यह चुनाव और पिछले दो चुनाव भी, मुख्यत- प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर ही लड़े हैं। सफलता और असफलता दोनों में उनकी भूमिका सर्वाधिक रही है। यह सारी बातें इस ओर संकेत कर रही हैं कि नयी सरकार की सफलता के लिए गठबंधन धर्म का निर्वाह अत्यंत आवश्यक है। यह सही है कि लोकसभा में भाजपा सांसद प्रचुर संख्या में हैं, पर चूंकि सत्ता मिली-जुली सरकार की है, इसलिए सभी घटक दलों को मिल-जुलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली को देखते हुए यह आशंका होनी ग़लत नहीं होगी कि घटक दलों में कुछ टकराव हो सकता है। पर कोशिश होनी चाहिए कि ऐसा टकराव न हो, एक-दूसरे की भावनाओं और विचारों का सम्मान हो। यहीं यह बात समझनी भी ज़रूरी है कि प्राप्त वोटों की दृष्टि से देखें तो पिछली दो बार की तुलना में इस बार प्रधानमंत्री मोदी को अपेक्षाकृत कम वोट मिले हैं। जनतांत्रिक मूल्यों का तकाज़ा है कि इस स्थिति को नज़रअंदाज न किया जाये। वहीं यह बात भी समझनी होगी कि मतदाता ने सिर्फ सरकार ही नहीं चुनी, विपक्ष भी चुना है। जनतंत्र की सफलता का आकलन इस स्थिति की स्वीकार्यता में निहित है। विपक्ष का दायित्व बनता है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष को मिले जन-समर्थन का सम्मान करें। और सत्तारूढ़ पक्ष के लिए भी यह जरूरी है कि वह विपक्ष की महत्ता को नकारे नहीं। सत्तारूढ़ पक्ष को यह भी समझना होगा कि विपक्ष को मिले वोटों की संख्या उसे मिले वोटों से ज्यादा कम नहीं है। इसीलिए दोनों पक्षों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। फिर एक बार भाजपा की सरकार तो बन गयी है पर यह मोदी सरकार ही नहीं है- गठबंधन की सरकार भी है। वैसे भी, दलीय व्यवस्था वाले जनतंत्र में दल का महत्व व्यक्ति विशेष के महत्व से कम नहीं होता। हमें कुछ ऐसा करना होगा कि दलों के नाम पर वोट पाने वाले नेता, विचारों की राजनीति की महत्ता को समझें। पलटी खाने वाली राजनीति और पलटी खाने वाले राजनेता हमारे जनतंत्र को कमज़ोर बना रहे हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सियासी खींचतान में फंसी प्यासी दिल्ली

पानी की किल्लत/ ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली पीने के पानी के संकट से जूझ रही है। वैसे तो दिल्लीवासियों को हर साल भीषण गर्मी के दौरान पानी की भारी किल्लत से जूझना पड़ता है। विडम्बना यह है कि दिल्ली सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल के बीच जारी रस्साकसी का खमियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। हालत यह है कि दिल्ली की जल मंत्री कभी दिल्ली के उपराज्यपाल को और कभी हरियाणा सरकार को दोषी ठहरा रही है। वहीं उपराज्यपाल जल संकट के लिए पानी की चोरी और बर्बादी को मुख्य कारण बता रहे हैं। इस बाबत हिमाचल के मुख्यमंत्री का कहना है कि हिमाचल दिल्ली सरकार के साथ किए गये समझौते के तहत दिल्ली को पानी देने के लिए प्रतिबद्ध है। जबकि सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार द्वारा दिये गये शपथ पत्र के आंकड़ों से दिल्ली की जल मंत्री के कथन को बल मिलता है कि दिल्ली को उसके हिस्से का पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल का कहना है कि हरियाणा दिल्ली को पूरा पानी दे रहा है। उनका दावा है कि दिल्ली सरकार मुनक नहर की मरम्मत नहीं करा रही है और वह टैंकरों के जरिये पानी की चोरी करवा रही है। सवाल यह है कि जब हरियाणा द्वारा दिल्ली को पूरा पानी दिया जा रहा है तो दिल्ली पानी की किल्लत क्यों झेल रही है। दरअसल, यह मसला भाजपा और आप के राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई में उलझा हुआ है। जिसमें दिल्ली की जनता पिसने को मजबूर है। इसी के चलते दिल्ली के अनेक विकास कार्य भी लटके पड़े हैं। हां, इतना जरूर है कि इस सबके लिए वह चाहे निगम का मसला हो, मोहल्ला क्लीनिक का मसला हो, स्कूलों का हो या फिर जनहित के कार्यों या फिर बजट या अधिकारों का हो, केन्द्र की भाजपा सरकार, दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली की आप सरकार एक-दूसरे के सिर पर ठीकरा फोड़ती रही हैं। हकीकत यह है कि दिल्ली को हरियाणा से कुल 1,050 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए। एक मई से 22 मई तक हरियाणा मुनक नहर के कैरियर लाइन नहर यानी सीएलसी में 719 क्यूसेक और दिल्ली सब ब्रांच यानी डीएसबी नहर में 350 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। मतदान के दो से तीन दिन पहले इसे 91 क्यूसेक तक कम कर दिया गया। बीते चार दिनों से केवल 985 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हिमाचल अतिरिक्त पानी भी छोड़ने को तैयार है। जहां तक मुनक नहर की मरम्मत और रखरखाव का सवाल है, इसका ठीकरा दिल्ली सरकार पर फोड़ना सही नहीं लगता। नहर की मरम्मत और उसके रखरखाव का जिम्मा हरियाणा सरकार के सिंचाई विभाग का है। हकीकत में मुनक नहर से पानी बवाना लाया जाता है। बवाना से पहले यदि पानी की चोरी होती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? लेकिन दिल्ली भाजपा अध्यक्ष का कहना है कि दिल्ली सरकार के संरक्षण में पानी की चोरी अब भी जारी है जिसकी वजह से दिल्ली की जनता पानी का संकट झेल रही है। उनकी मानें तो मुनक नहर से काकोरी आते-आते 20 फीसदी पानी की चोरी हो रही है। कम पानी आने से वजीराबाद जलाशय का स्तर सामान्य से पांच फीट नीचे आ जाना खतरे का संकेत है। दिल्ली में जगह-जगह लगाये गये वाटर एटीएम के जरिये भीषण गर्मी में लोगों की प्यास बुझाने के दावे खोखले साबित हुए हैं। हकीकत यह है कि वे खराब पड़े हैं। कहीं तो वे ठीक से काम ही नहीं कर रहे हैं, कहीं उन पर ताले लटके हैं। जहां तक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की बात है, हाल फिलहाल नौ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अपनी क्षमता से ज्यादा काम कर रहे हैं। असली समस्या तो पानी की मांग और उपलब्धता की है। दिल्ली में पानी की मांग 1296 एमजीडी से 1300 एमजीडी तक है लेकिन सप्लाई केवल 998.8 से 1000 एमजीडी ही है। स्वाभाविक है 300 एमजीडी पानी की कमी तो बरकरार रहती ही है। जल संकट के मद्देनजर कुल 587 ट यूबवैल लगाने की योजना थी। पहले चरण में इनमें से कुछ सक्रिय भी हैं, जिनसे 19 एमजीडी पानी मिल रहा है। जबकि दूसरे चरण में 2590 ट्यूबवैल के लिए 1800 करोड़ की राशि की दरकार थी जिसकी अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। फिर दिल्ली सरकार के जल बोर्ड की क्षमता केवल 90 करोड़ गैलन पानी के ट्रीटमेंट की ही है। दरअसल, दिल्ली सरकार पानी के ट्रीटमेंट और स्टोरेज पर पूरी तरह ध्यान नहीं दे पा रही है। ऐसी स्थिति में दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों की पानी की ज़रूरत कैसे पूरी कर पायेगी। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पानी की बर्बादी रोकने की बाबत योजना पेश करने का निर्देश दिया है। उस स्थिति में जबकि तकरीबन 40-50 साल पुरानी पाइप लाइन लीकेज और जगह-जगह फटने से हजारों गैलन पानी की बर्बादी रोजमर्रा की बात है , आने वाले दिनों में दिल्ली वाले पानी के संकट से कैसे निजात पायेंगे।

विचार मंथन

नीट की परीक्षा, हजारों करोड़ रुपए की अवैध कमाई का जरिया

(लेखक- सनत जैन)

- लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर

नीट 2024 की परीक्षा में लगभग 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा को लेकर पिछले कई वर्षों से युवाओं में क्रेज बना हुआ है। दसवीं पास करने के बाद युवा अपने करियर बनाने को लेकर नीट और जेईई मेंन्स जैसे प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षा देने की तैयारी शुरू कर देते हैं। इसके लिए 16 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बच्चे कोचिंग ज्वाइन करते हैं। बच्चों के माता-पिता कोचिंग संस्थानों को लाखों रुपया प्रतिवर्ष फीस के रूप में देते हैं। जो बच्चे उपरोक्त कोर्स की तैयारी करते हैं, वो दिन-रात पढ़ाई करते हैं। उनका लक्ष्य बड़ा होता है। वह इस प्रतिस्पर्धा के युग में सीमित सीटों पर अपना स्थान बनाकर प्रवेश ले पाएं, इसके लिए जी-जान लगाकर मेहनत करते हैं। अपना परिवार छोड़कर अन्य शहरों में जाकर कोचिंग लेते हैं। पिछले तीन दशक से डिग्री से रोजगार और करियर का जो नया कांसेप्ट सामने आया है, उसके बाद लाखों की संख्या में बच्चे परीक्षा की वर्षों तक तैयारी करते हैं। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत में बहुत ज्यादा अंतर होने के कारण, लाखों करोड़ों रुपए की कमाई का जरिया, इस तरह की प्रवेश परीक्षा बन गई है। नीट वर्ष 2024 में 23 लाख 33297 परीक्षार्थी शामिल हुए। 58263 परीक्षार्थियों ने 620 से लेकर 720 अंक प्राप्त किये। 520 से 620 अंक लाने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 1,02,640 है। पिछले 5 वर्षों में 620 से 720 अंक वाले परीक्षार्थियों की संख्या मात्र 13 से 15000 के बीच रही है। इस बार यह संख्या बढ़कर 58263 हो गई है। देशभर में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगभग 55000 सीट हैं। इसमें एम्स की सीटें भी शामिल हैं। एम्स एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज्यादा नंबर पाने वालों को प्राथमिकता से नेशनल काउंसलिंग में प्रवेश मिल जाता है। यहां पढ़ने वाले छात्रों की फीस बहुत कम होती है। उसके बाद राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में राज्यों के प्रतियोगियों को प्रवेश मिलता है। इस साल नीट के जो परिणाम आए हैं, उसमें नामांकन से लेकर प्रवेश परीक्षा में कई विसंगतियां सामने आई हैं। रजिस्ट्रेशन विंडो 16 मार्च को बंद कर दी गई थी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन विंडो को अप्रैल माह में 1 दिन के लिए खोल दिया गया। इस 1 दिन में करीब 24240 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया। इसकी जानकारी छात्रों को नहीं थी। इसका फायदा कुछ कोचिंग सेंटरों के द्वारा उठाया गया। यह कार्य प्रक्रिया पहली बार नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा अपनाई गई। इस वर्ष एजेंसी द्वारा जो छात्र लेट प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे। उन्हें ग्रेस मार्क्स देने का नया नियम बनाया गया। छात्रों को मनपसंद सेंटर चुनने का प्रावधान किया गया। हरियाणा के परीक्षार्थियों ने बिहार के सेंटर चुने। इसी तरह अन्य राज्यों के हजारों परीक्षार्थियों ने दूसरे राज्यों के हजारों किलोमीटर दूर परीक्षा सेंटर में जाकर परीक्षा दी। नीट की परीक्षा में पहली बार 67 छात्रों को 100 फीसदी 720 अंक प्राप्त हुए। वहीं 58263 परीक्षार्थी 620 अंक से लेकर 720 अंक लेकर सफल हुए। सरकारी मेडिकल कॉलेज में इनका एडमिशन नीट के परीक्षा परिणाम के कारण होना तय हो गया। 2023 में 620 से लेकर 720 अंक पाने वालों की संख्या मात्र 13291 थी। परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथि के पहले घोषित होने के बाद, बिहार में पेपर लीक करने का मामला तूल पकड़ गया। बिहार में जांच एजेंसी ने 13 आरोपी गिरफ्तार किए, जिन्होंने स्वीकार किया कि पेपर लीक हुआ था। उन्हें पेपर के संबंध में जानकारी देने एक अलग स्थान पर ले जाकर प्रश्नों के उत्तर को याद कराया गया। इसके बाद गुजरात के गोधरा में भी इसी तरह का एक मामला सामने आया। धीरे-धीरे प्याज की परतों की तरह एक-एक परत खुलती गई। बिहार में जो आरोपी गिरफ्तार हुए, उन्होंने 30 से 40 लाख रुपए देने का पुलिस को बयान दिया। जिससे यह प्रमाणित हुआ कि परीक्षा के पहले पेपर लीक हुआ है। कोचिंग चलाने वाले सेंटर एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बीच कोई ना कोई संबंध जरूर है। जिसके कारण कोचिंग सेंटर के परीक्षार्थियों ने 30 से 40 लाख रुपया देकर, प्रवेश परीक्षा परिणाम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। नीट की परीक्षा के जो परिणाम सामने आए हैं, उसके अनुसार देश में करीब 100000 सीटों पर एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। उसमें से 55000 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सीट हैं। लगभग 45000 सीटों पर निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। इस परीक्षा परिणाम से सबसे ज्यादा नुकसान एसटी, एससी और मेधावी परीक्षार्थियों को हो रहा है। निजी मेडिकल कॉलेज में भी उन्हें प्रवेश मिलना संभव नहीं होगा। जिस तरह से परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। पूरे देश के सभी राज्यों में कोचिंग सेंटर्स का मकडजाल फैल गया है। इसमें परीक्षार्थियों के माता-पिताओं को दिवा-स्वप्न दिखाकर कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए पहले वसूल किए जाते हैं। उसके बाद एडमिशन कराने के नाम पर प्रति छात्र लाखों रुपए की वसूली इन कोचिंग सेंटरों के माध्यम से की जा रही है। हजारों करोड़ रुपए का लेन-देन, हर साल मेडिकल में प्रवेश दिलाने के नाम पर घोटाले और घपले हो रहे हैं। इसमें नेशनल टेस्ट एजेंसी और कोचिंग सेंटर की मिलीभगत के आरोप लगते आ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का कोयला आयात अप्रैल में बढ़कर 2.61 करोड़ टन पहुंचा

नई दिल्ली । देश का कोयला आयात अप्रैल में 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंच गया है। गर्मियों की शुरुआत के साथ खरीदारों द्वारा नए सौदे करने से कोयला आयात बढ़ा है। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले समान महीने में कोयला आयात 2.30 करोड़ टन रहा था। आयात में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है जबकि कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और आयात में कमी लानी चाहिए। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से भारत का कोयला और कोक आयात एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 13.2 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.74 करोड़ टन रहा। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 47.7 लाख टन से बढ़कर 49.7 लाख टन पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स का वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान

-10 में से 4 कार ग्राहक ग्रामीण इलाकों से

नईदिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में लोगों को ये देसी कार क्यों पसंद आ रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त बिक्री की है। ग्रामीण इलाकों की बिक्री ने कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान दिया है। यानी 100 में से हर 40 कारें ग्रामीण इलाकों में बिकी हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच टाटा मोटर्स की कारों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। कंपनी की कारें पहली बार खरीदने वाले लोगों की संख्या 70 फीसदी के आस-पास है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और परचेजिंग पावर बढ़ने से ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच का अंतर कम हो रहा है। टाटा कार और एसयूवी रेंज में मल्टी पावरट्रेन ऑप्शन (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और ईवी) उपलब्ध है, जो ग्राहक को उनकी जरूरतों के हिसाब से बेहतर विकल्प चुनने की आजादी देता है। ग्रामीण बाजार में टाटा मोटर्स ने तेजी से विस्तार किया है जिसके चलते एसयूवी की बिक्री 35 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी हो गई है। अल्टरनेट फ्यूल (सीएनजी/ईवी) से चलने वाले वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2022 के 5 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 23 फीसदी हो गई। ट्विन-सिलेंडर सीएनजी कारों की डिमांड बढ़ी है। ग्रामीण बाजारों में 100 में से 16 कारें सीएनजी हैं। ग्रामीण बाजारों में ग्राहक एमटी से एएमटी/एटी में शिफ्ट कर रहे हैं। ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में 14 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ देखने को मिली है। बता दें कि टाटा मोटर्स ने अपनी पैसेंजर कारों की बिक्री के दिलचस्प आंकड़े साझा किये हैं। कंपनी की कारें सिर्फ बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और गांव में भी तेजी से पॉपुलर हो रही हैं।

महिंद्रा ने मई में की थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री

-लोग डीजल वेरिएंट को कर रहे है ज्यादा पसंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते मई महीने में महिंद्रा ने थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री की है। इनमें से 5,207 डीजल वेरिएंट थे, जबकि केवल 543 पेट्रोल वेरिएंट थे। ये पिछले साल मई की तुलना में महत्वपूर्ण ग्रोथ को दर्शाता है। पिछले साल मई के महीने में 3,190 डीजल और 1,106 पेट्रोल यूनिट्स की बिक्री की गई थी। यानी यहां देखा जा सकता है कि लोग डीजल वेरिएंट को खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं और इनकी बिक्री के आंकड़ें भी ज्यादा हैं। जबकि पेट्रोल वेरिएंट की बिक्री के आंकड़ों में गिरावट आई है। वहीं, अप्रैल के आंकड़ों की बात करें तो महिंद्रा ने 524 डीजल और 481 पेट्रोल थार यूनिट्स की बिक्री की थी। यानी पिछले महीने भी थार के डीजल वेरिएंट्स की बिक्री ज्यादा हुई थी और यही ट्रेंड इस महीने भी जारी है। हालांकि, सेल के आंकड़े मई के महीने में अप्रैल की तुलना में काफी ज्यादा हैं।इस बीच आपको ये भी बता दें कि महिंद्रा ने थार एसयूवी की प्रोडक्शन को थोड़ा कम कर दिया है। ये एडजस्टमेंट इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कंपनी थारह्न के नए 5-डोर वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

विदेशी निवेशकों ने पिछले सप्ताह शेयर बाजार में 11,730 करोड़ डाले

- पिछले सप्ताह एफपीआई ने शेयरों से 14,794 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली ।

घरेलू और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14 जून को समाप्त सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों में 11,730 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले यानी तीन से सात जून के सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 14,794 करोड़ रुपये निकाले थे। ताजा निवेश के बाद इस महीने अब तक एफपीआई की शेयरों से निकासी 3,064 करोड़ रुपये रही है। बाजार के जानकारों ने कहा कि जून के पहले सप्ताह में उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में स्थिरता लौटी है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार की सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने से नीतिगत सुधारों और आर्थिक वृद्धि के जारी रहने की उम्मीद बनी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका में उम्मीद से कम मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने भी इस साल दर कटौती की उम्मीद बढ़ा दी है। इससे पहले मई में एफपीआई ने चुनावी नतीजों से पहले शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में उन्होंने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। वहीं एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। इस महीने 14 जून तक एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 5,700 करोड़ रुपये डाले हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई शेयरों से 26,428 करोड़ रुपये निकाले चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 59,373 करोड़ रुपये डाले हैं।

वेदांता के शेयरों में 60 रुपए से अधिक उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली ।

जाने-माने उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांता के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है। बीएसई पर अभी शेयर की कीमत 447.10 रुपये है। ब्रोकरेज इसमें 60 रुपये से अधिक के उछाल की उम्मीद जता रहे हैं। इस साल अब तक ये शेयर करीब 74 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। सीधे रिटर्न के अलावा इसी साल मई में कंपनी ने हर शेयर पर 11 रुपये के डिविडेंड का भी ऐलान किया था। पिछले 1 महीने में ये शेयर 3.15 फीसदी आगे बढ़ा है। वहीं पिछले 1 साल में इसने निवेशकों को केवल 59 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। 5 साल में ये शेयर 163 फीसदी से अधिक चढ़ा है। कई ब्रोकरेज इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। हांग कांग के एक ब्रोकरेज ने कहा है कि कंपनी अपनी एलुमिना रिफाइनरी की क्षमता बढ़ाने और लागत घटाने पर विचार कर रही है। यह शेयर मजबूर मांग और सेक्टोरल स्ट्रेंथ दिखा रहा है। स्टॉक्सबॉक्स ने इस शेयर को 508 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। साथ ही 421 रुपये हो स्टॉप लॉस बनाने को कहा है। इन्वेस्टेक ने 473 टारेगट और 270 का स्टॉप लॉस दिया है।

सेल विनिर्माण के लिए साझेदारी पर विचार करेंगे: महिंद्रा समूह

नई दिल्ली । भारत में बैटरी सेल उत्पादन के लिए महिंद्रा समूह एक वै श्विक कंपनी से हाथ मिलाने पर विचार कर रहा है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बढ़ती मांग को पूरा करने को समूह ऐसा कर सकता है। महिंद्रा समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक वाहन इकाई महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड (एमईएएल) की संभावित सूचीबद्धता के लिए 2030 की समयसीमा पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि एक क्षेत्र जिस पर हम अधिक बारीकी से गौर कर रहे हैं वह सेल विनिर्माण है और यह एक ऐसी चीज है जहां विभिन्न विचार हैं। अगर हमें लगता है कि यह हमारे लिए जरूरी है, तो हम सेल विनिर्माण के लिए साझेदारी पर विचार करेंगे। हम एक वैश्विक प्रौद्योगिकी भागीदार और संभावित रूप से निजी इक्विटी भागीदारों पर भी गौर करेंगे क्योंकि हम पूरी पूंजी नहीं लगाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि हम इस पहल को अमलीजामा पहना पाते हैं, तो देश में बैटरी सेल का स्थानीय उत्पादन शुरू हो सकेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इसके लिए उत्पादन सुविधा भारत में बनेगी, उन्होंने कहा कि हमारे लिए ऐसा करने का एकमात्र कारण स्वदेशीकरण करना है। इसलिए अगर हम उस रास्ते पर चलते हैं, तो यह भारत में ही होगा। एमईएएल को सूचीबद्ध करने की योजना पर शाह ने कहा कि यह कम से कम अगले तीन से पांच साल में नहीं होने वाला है। अ धिकारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक खंड को आगे बढ़ने के लिए समय चाहिए। इसके लिए हम संभवत: 2030 की समयसीमा पर विचार करेंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 85,582 करोड़ बढ़ा

- भारतीय जीवन बीमा निगम सबसे अधिक लाभ में रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 85,582.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 84,704.81 करोड़ रुपये का नुकसान रहा। सप्ताह के दौरान एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 46,425.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,877.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,639.61 करोड़ रुपये बढ़कर 12,14,965.13 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 10,216.41 करोड़ रुपये जोड़े और उसका मूल्यांकन 19,98,957.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,192.35 करोड़ रुपये बढ़कर 7,49,845.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं भारती एयरटेल का पूंजीकरण 1,108.36 करोड़ रुपये बढ़कर 8,11,524.37 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 22,885.02 करोड़ रुपये घटकर 5,82,522.41 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 22,052.24 करोड़ रुपये घटकर 13,86,433.05 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,600.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,18,030.37 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,179.27 करोड़ रुपये घटकर 7,77,795.90 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 9,987.78 करोड़ रुपये घटकर 5,38,216.34 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

बीते सप्ताह बिनौला को छोड़कर सभी तेल-तिलहन गिरावट पर बंद

- मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में बिनौला तेल में आई मामूली तेजी को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था हाफेड की ओर से सरसों बिक्री की पहल के बीच बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन कीमतों पर दबाव रहा और इनके दाम गिरावट के साथ बंद हुए। किसानों के पास सरसों का स्टॉक बचा हुआ है और वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बिकवाली नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की पेराई मिलों को सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सूरजमुखी, बिनौला आदि की पेराई करने में नुकसान हो रहा है क्योंकि पहले से बेपड़ता तेल-तिलहन की पेराई के बाद लागत बढ़ने की वजह से इनका खपना मुश्किल है। बाजार में सस्ते आयातित खाद्य तेल के दाम ने बाजार धारणा को खराब कर रखा है जिससे देशी तेल-तिलहनों का बुरा हाल है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 30 रुपये की गिरावट के साथ 5,920-5,980 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 50 रुपये घटकर 11,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,850-1,950 रुपये और 1,850-1,975 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,710-4,730 रुपये प्रति क्विंटल और 4,510-4,630 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन इंदौर के दाम क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,325 रुपये तथा 10,140 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सोयाबीन डीगम तेल का भाव 8,850 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में ऊंचे भाव की वजह से कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें अपरिवर्तित रहीं। मूंगफली तिलहन 6,125-6,400 रुपये क्विंटल, मूंगफली गुजरात 14,650 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रहे। वहीं कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 9,925 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। रविवार सुबह डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.5 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। कुछेक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर बाकी कहीं पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश के चारों प्रमुख शहरों में ईंधन की कीमतों में यथास्थिति बनी हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सेंसेक्स के 82000 के पार जाने की उम्मीद: रेटिंग एजेंसी

- बाजार में एक साल में मिल सकता है 14 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली ।

एक रेटिंग एजेंसी का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को एक साल में 14 फीसदी तक का रिटर्न मिल सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स इस दौरान 82,000 के पार जा सकता है। यह भारत का अब तक का सबसे लंबा और मजबूत तेजी वाला बाजार होगा। सेंसेक्स अभी 77,000 के करीब है। रे टिंग एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय शेयर बाजार लगातार नई ऊंचाईयां बना रहा है। अब यह देखना है कि बाजार को भौतिक रूप से ऊपर कैसे ले जाया जा सकता है। नई सरकार में नीतिगत बदलाव होने की संभावना है। इससे बाजार आश्चर्यचकित कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह दशक भारत का दशक रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के फिर से सत्ता में आने से बाजार को अनुमान है कि नीतिगत फैसले बरकरार रहेंगे। यह फैसले आने वाले पांच वर्षों में विकास और इक्विटी रिटर्न को प्रभावित करेंगे। हमारा मानना है कि सरकार नीति को बनाए रखने के लिए वृहद स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रख सकती है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार की निरंतरता के साथ, बाजार संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद कर सकता है।

बढ़ती जीडीपी वृद्धि के साथ मैक्रो स्थिरता को उभरते बाजारों की तुलना में भारत के बेहतर प्रदर्शन को बढ़ाना चाहिए। रेटिंग एजेंसी ने इससे पहले 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर के अनुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। पिछले दशक में महत्वपूर्ण फैसलों में नीतिगत सुधार, महंगाई घटाने पर जोर, जीएसटी कानून, दिवालियापन कोड, रेरा और कॉरपोरेट की कम कर दरों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक सुधार और बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

मोदी 3.0 के सत्ता में आने से अगले पांच वर्षों में सकारात्मक संरचनात्मक बदलाव के रूप में और भी बहुत कुछ हो सकता है।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी: विश्लेषक

- कच्चे तेल के भाव और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई ।

घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख संकेतक के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बाजार मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से दिशा लेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला है और किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, बजट को लेकर चर्चा के बीच हमें क्षेत्र विशेष के शेयरों में गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मुख्य रूप से बाजार का रुख मानसून की प्रगति तथा संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन के आंकड़े, डॉलर सूचकांक का उतार-चढ़ाव तथा अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सोमवार को बकरीद के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि सोमवार की अवकाश के कारण यह कम कारोबारी सत्रों वाला सप्ताह है। सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक बाजारों, विशेषरूप से अमेरिकी बाजार पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू बाजार सोमवार को बंद रहेंगे, जबकि वैश्विक स्तर पर निवेशकों की निगाह बैंक ऑफ इंग्लैंड के ब्याज दर को लेकर निर्णय पर रहेगी। हमें उम्मीद है कि सकारात्मक वृहद रुझान, सरकारी खर्च जारी रहने और नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता की उम्मीद के बीच बाजार में तेजी का रुख कायम रहेगा।

इस सप्ताह आईपीओ बाजार में रहेगी चहल-पहल

17 जून से शुरू हो रहे सप्ताह में 9 आईपीओ लॉन्च होंगे

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में खूब हलचल रहेगी। 17 जून से शुरू हो रहे सप्ताह में 9 आईपीओ लॉन्च होंगे। इनमें मेनबोर्ड के 3 तो एसएमई सेगमेंट के 6 इश्ये यू शामिल हैं। 17 जून को शेयर बाजार बकरीद पर बंद हैं। इसलिए शेयर बाजार के लिए सप्ताह की शुरुआत 18 जून से होगी। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी एक्मेफिनट्रेड इंडिया का आईपीओ 19 जून को खुलेगा तथा 21 जून को बंद होगा।

इश्यू का प्राइस बैंड 114 से 120 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 125 शेयर है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 132 करोड़ रुपये जुटाने चाहती है। शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 26 जून को होगी। मेनबोर्ड आईपीओ डी पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ भी 19 जून को खुलेगा। 418.01 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 21 जून तक पैसे लगा सकेंगे। इश्ये यू का प्राइस बैंड 193 से 203 रुपये प्रति शेयर और लॉट साइज 73 शेयर है। लग्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टैनली लाइफस्टाइल्स भी इस सप्ताह अपना इश्यू लॉन्च करेगा। स्टैनली लाइफस्टाइल आईपीओ का साइज 537 करोड़ रुपये है। यह इश्यू 21 जून को खुलेगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 351-369 रुपये प्रति शेयर है और एक लॉट में 40 शेयर हैं। इश्यू के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 28 जून को हो सकती है।फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया आईपीओ 19 जून को खुलेगा और 21 को बंद होगा।

13.69 करोड़ रुपये के इस इश्यू का प्राइस बैंड 92 रुपये प्रति शेयर है। शेयरों की लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 26 जून को होगी। डूरलेक्स टॉप सर्फेस आईपीओ भी 19 जून को खुलेगा और 21 जून तक निवेशक इसके शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। 40.80 करोड़ रुपये के इस इश्यू का प्राइस बैंड 65 से 68 रुपये प्रति शेयर और एक लॉट में 2000 शेयर हैं। शेयरों की लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 26 जून को होगी।

जेम एनवायरो आईपीओ 19 जून को खुलेगा और 21 जून को बंद हो जाएगा। इस इश्ये यू के जरिए कंपनी 44.93 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इश्ये यू का प्राइस बैंड 71 से 75 रुपये प्रति शेयर तय किया गया। विन्नी इमिग्रेशन आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 140 रुपये प्रति शेयर है।

चीनी हो जाएगी महंगी, बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने का आग्रह किया ताकि बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को परिचालन जारी रखने में मदद मिल सके। एक रिपोर्ट से पता चला है कि सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2024-25 के आगामी सीजन के लिए चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने पर विचार कर रही है। अगर सरकार चीनी की एमएसपी में बढ़ोतरी करती है तो इसका असर खुदरा बाजार में देखने को मिलेगा। चीनी की प्रति किलो कीमत बढ़ सकती है। जानकारों का कहना है कि चीनी की कीमत प्रति किलो 3 से 4 रुपए बढ़ सकती है। न्यूनतम बिक्री मूल्य वर्ष 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रखा गया है, जबकि सरकार ने हर साल गन्ना उत्पादकों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि की है। एनएफसीएसएफ के वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा कि महासंघ ने खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों को आंकड़े सौंपे हैं, जिसमें चीनी उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि दिखाई दे रही है, जिससे न्यूनतम विक्रय मूल्य को गन्ने के एफआरपी के साथ तालमेल बिठाना आवश्यक हो गया है। यदि चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया जाता है, तो चीनी उद्योग को लाभ हो सकता है।

स्मृति मंधाना का बड़ा शतक, 143 रन से जीती टीम इंडिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के छठे शतक से टीम इंडिया ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ खेला गया पहला वनडे मुकाबला 143 रनों से जीत लिया। भारतीय टीम पहले खेलते हुए एक समय 99 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी लेकिन मंधाना ने 127 गेंद में 117 रन की पारी खेल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया। दीप्ति ने 37 तो पूजा वस्त्राकर ने 31 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 122 रनों पर ऑल आऊट हो गई।

इससे पहले भारतीय शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा (सात), कप्तान हरमनप्रीत कौर (10) और जेमिमा रोड्रिग्स (17) ने आसानी से विकेट गंवा दिए लेकिन मंधाना ने एक छोर संभाले रखा। भारत ने ऋचा घोष (तीन) के रूप में अपना 5वां विकेट गंवाया था। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने 61 गेंद में अपना पचासा पूरा किया। इस दौरान उन्हें दीप्ति का साथ मिला। मंधाना तेज गेंदबाज क्लास को छक्का जड़कर 99 रन के स्कोर पर पहुंची। उन्होंने अगली गेंद पर एक रन दौड़कर 116 गेंद में अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने खाका के खिलाफ 2 चौके जड़ रन गति बढ़ाई। अंत में शोभना आशा (नाबाद 8) ने आखिरी ओवर में चौके के साथ टीम को 260 रन के पार पहुंचाया।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे पाई और पहले ही ओवर में 4 रन बनाकर रेणुका ठाकुर सिंह का शिकार हो गई। छठे ओवर में एनेके बॉश (5) को पूजा ने शिकार बनाया। 11वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने स्ट्राइक करते हुए तजमीन ब्रिट्स (18) की विकेट ली। सुन लुस ने 58 गेंदों पर 33 तो मेरिजाना केप ने 39 गेंदों पर 24 रन बनाए। अंत में विकेटकीपर सिनालो जाफ्टा ने 27 रन बनाए लेकिन यह टीम के काम नहीं आ सके। इससे टीम को 143 रन से हार मिली। भारत की ओर से आशा शोभना ने 21 रन देकर 4 विकेट लीं। इसी तरह दीप्ति शर्मा को दो तो रेणुका, पूजा और राधा यादव को 1-1 विकेट मिली।

लवलीना ग्रां प्री मुक्केबाजी में ली कियान से हारी, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन चेक गणराज्य के उस्ती नाद लाबेम में आयोजित ग्रां प्री में महिलाओं के 75 किग्रा में चीन की ली कियान से हार गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी लवलीना को शनिवार देर रात मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी लवलीना को शिकस्त दी थी। लवलीना ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पेरिस ओलंपिक में मदद मिलेगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट वीडियो में इस 26 साल की मुक्केबाज ने कहा, 'इस प्रतियोगिता में भाग लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। जहां तक मेरी तैयारी का सवाल है, ओलंपिक से पहले यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इससे मुझे फायदा होगा। मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और भारत सरकार का शुक्रिया करना चाहूंगी।' मांडविया ने इस वीडियो के साथ लवलीना के प्रदर्शन की सराहना करते हुए लिखा, 'ग्रां प्री 2024 में रजत पदक जीतने के लिए लवलीना को बधाई। उन्होंने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी रिंग में उनकी सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में लवलीना और कियान के अलावा रिपब्लिक मुक्केबाजी टीम की सिंडी नगांबा और इंग्लैंड की चैंटल रीड ने हिस्सा लिया था। इन चार मुक्केबाजों के बीच राउंड रॉबिन प्रारूप में मुकाबला आयोजित किया गया। लवलीना इस दौरान तीन मुकाबलों में से केवल एक जीत हासिल कर पाईं। असम की मुक्केबाज ने नगांबा और कियान से हारने से पहले रीड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली भारत की इकलौती खिलाड़ी है।

ट्रेंट बोल्ट के अंतिम मैंच में पापुआ न्यू गिनी को हराने उतरेगी न्यूजीलैंड

टरूबा (एजेंसी)। पिछले 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन करने के लिए उतरेगी। न्यूजीलैंड का आईसीसी की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन रहा है, लेकिन कीवि टीम ने शुरू में खराब प्रदर्शन किया, इससे टीम सुपर-8 में जगह नहीं बना सकी।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मैच इसलिए महत्वपूर्ण बन गया है, क्योंकि उसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने पुष्टि कर दी है कि यह टी20 विश्व कप में उनका आखिरी मैच होगा। इसके बाद केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम अपने इस तेज गेंदबाज को जीत से विदाई देना चाहेगी। पापुआ न्यू गिनी की टीम ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और अगर उसकी टीम न्यूजीलैंड के सामने थोड़ा भी चुनौती पेश करती है, तब यह उसके लिए काफी मायने रखेगा।

टीम इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड - केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेट कीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स (विकेट कीपर), रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

पापुआ न्यू गिनी - असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा (विकेट कीपर), लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

सुपर-8 की तस्वीर साफ... रोहित सेना को देना होगा विरोधियों को मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ग्रुप ए में टॉप रहने के साथ लीग स्टेज का अंत कर चुका है। भारत ने चार में से तीन मैच जीते जबकि कनाडा के खिलाफ आखिरी मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इसके साथ सुपर-8 की तस्वीर भी साफ हो गई है। भारत ग्रुप-1 में होगा और उसके साथ ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान का मैच होना तय है। वहीं ग्रुप-2 में द. अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका की जगह पक्की हो चुकी है। भारत के ग्रुप में चौथी टीम बांग्लादेश या नीदरलैंड्स में से एक होगी। यानी ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान वे दो टीमें हैं, जिससे रोहित सेना को सतर्क रहने की जरूरत है। इस ग्रुप से दो टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। अफगानिस्तान को कहीं से भी कमजोर नहीं आंका जा सकता जो न्यूजीलैंड को हराकर यहां तक पहुंचा है। इसके बाद टीम रोहित को अपने बेस्ट कॉम्बिनेशन के साथ ही उतरना होगा, वरना यहां विपक्षी टीमें खराब शुरुआत से टीम इंडिया को उबरने का मौका शायद ही दें।

सुपर 8 में भारत के मैंच अफगानिस्तान के साथ 20 जून को बारबाडोस में, दूसरा मैच 22 जून को एंटीगुआ में पूल डी की दूसरे नंबर की टीम से जो की बाग्लादेश या नीदरलैंड हो सकती हैं तथा तीसरा मैच 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से सेंट लुसिया में खेला जाना हैं। सबसे पहले सुपर-8 में क्वालीफाई करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम ग्रुप-2 में सबसे ऊपर है। इसके बाद दोनों मेजबान टीम यानी वेस्टइंडीज और अमेरिका का नंबर आता है। आखिरी पोजिशन पर इंग्लैंड ने क्वालिफाई किया। अगर मौसम बेइमान न होता तब अमेरिका की जगह पाकिस्तान सुपर-8 में पहुंच सकता था। साउथ अफ्रीका ग्रुप डी से क्वालीफाई की। ग्रुप सी से वेस्टइंडीज आगे आई।

सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया एकमात्र मजबूत टीम है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश या नीदरलैंड्स को हराने में ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर कोई उलटफेर नहीं हुआ, तब भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय है। पहले राउंड के पॉइंट्स या नेट रन रेट का सुपर आठ स्टेज में कोई फायदा नहीं मिलने वाला, यहां सभी टीमें समान स्तर पर शुरुआत करेंगी। हर सुपर आठ ग्रुप की से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में है और दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को गुयाना में है। टी-20 विश्व कप का फाइनल 29 जून को बारबाडोस में होना है।

सुपर आठ में बेहतर प्रदर्शन करेंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आने वाले सुपर आठ के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विराट अमेरिका में हुए मुकाबलों में असफल रहे हैं। विराट यहां एक बार भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाये हैं। अमेरिका की उछाल भरी पिचों पर उनके खराब प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराशा हुई है। बांगड़ ने हां, मैं मानता हूं कि विराट ने न्यूयॉर्क लेग में रन नहीं बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज भी वहां की पिच पर संघर्ष करते दिखे हैं। न्यूयार्क की पिच पर खेलना कठिन था। भारतीय बल्लेबाजों को अमेरिका के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी थोड़ा संघर्ष करना पड़ा था हालांकि इस दौरान भारतीय गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी थी। बांगड़ ने टीम की गेंदबाजी की सराहना करते हुए कहा कि उससे टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 119 रन के सामान्य स्कोर का भी बचाव करने में सहायता मिली। उन्होंने कहा कि जाहिर है, हर कोई या सभी गेंदबाज अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। सभी गेंदबाज अपना काम कर रहे हैं। इसी से टीम को लाभ हो रहा है। मैं वास्तव में नहीं जानना चाहता हूं कि यहां नंबर एक कौन है, नंबर दो कौन है। यह भारतीय टीम के लिए अच्छा संकेत है कि सभी गेंदबाज एक साथ आ रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। बांगड़ ने आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह उसने लक्ष्य का पीछा करते समय अपनी बल्लेबाजी से टीम को संभाला।

सुपरआठ में अब रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा : युवराज

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अब सुपर 8 के मुकाबले रोमांचक होंगे और हर टीम के पास सेमीफाइनल के लिए प्रवेश का अवसर रहेगा। इस बार टी20 विश्कप में नई टीमों ने सभी को हैरान करते हुए शानदार क्रिकेट खेला है। यहां तक कि दिग्गज टीमों को भी जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है। कुछ उलटफेर भी हुए हैं। इसी को लेकर युवराज ने कहा कि बड़े

टूर्नामेंटों में उलटफेर होते रहते हैं। इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। विश्वकप में इस बार जहां सहमेजबान अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ में पहुंची है। वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान बाहर हो गयी है। सह-मेजबान अमेरिका ने एक मुकाबले में 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को हराया जबकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की। युवराज ने कहा, विश्व कप में उलटफेर होते हैं। हमने अब तक कुछ उलटफेर देखे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। साथ ही कहा कि अमेरिकी पिच पर हुई परेशानी को लेकर युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको हालातों के लिए बहुत अधिक अनुभव की आवश्यकता है। यदि आप जल्दी पहुंचते हैं और मौसम के अनुकूल ढल जाते हैं, तो खिलाड़ियों के पास आवश्यक अनुभव होता है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिश्चियन ने भी कहा कि कई टीमों के लिए यहां धीमी शुरुआत रही है। वर्तमान हालातों को देखते हुए सभी टीमों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हर संभव प्रयास करने की जरुरत होगी। यह देखना कि कैसे हर कोई एक साथ खेल के साथ तालमेल बिठा रहा है कि गेंद घूमेगी या नहीं और धीमी गेंदें टिकेंगी या नहीं।।

शाहिद अफरीदी का चयनकर्ताओं से सवाल... बाबर को कप्तान क्यों चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 से पाकिस्तान क्रिकेट टीम बाहर हो गई है। इसके बाद पूरी टीम आलोचना झेल रही हैं। विश्व कप के पिछले सीजन में इंग्लैंड के साथ फाइनल खेलने वाली पाकिस्तानी टीम इसबार यूएसए से भी हार गई। पाकिस्तान के बाहर होने से कप्तान बाबर आजम को काफी कुछ सुनाना पड़ रहा है, क्योंकि टूर्नामेंट में उनका बल्ला भी नहीं चला था। इस बीच पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मानना है कि बाबर की कप्तानी पर सवाल जायज हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कहा कि साथी क्रिकेट प्रेमियों को बाबर की कप्तानी की आलोचना करनी चाहिए लेकिन उनके जैसे लगातार खिलाड़ी पाकिस्तान क्रिकेट में दुर्लभ हैं। बाबर का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा है। हां, यह सच है कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका है। अफरीदी का कहना है कि उन्हें हमेशा उम्मीद थी कि बाबर भारत सुपरस्टार विराट कोहली की तरह एक मैच विजेता बनेगा। जिन्होंने अपने यादगार करियर के दौरान खुद को इसतरह के खिलाड़ी के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा बाबर को एक मैच विजेता के रूप में देखना चाहता था जैसे हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं। अफरीदी ने कहा कि बाबर की आलोचना की जा रही है। क्योंकि वहां हारी हुई टीम का कप्तान है। मैं बाबर का प्रशंसक हूं (लेकिन) उन्हें कप्तान के रूप में 3-3.5 साल दिए गए और कोई आकर्षक परिणाम नहीं मिला और न ही कोई सुधार हुआ। चयन समिति से पहला सवाल यह है कि जब उन्होंने (पहले) कोई सुधार नहीं दिखाया, तब (क्यों) उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त किया गया? एक खिलाड़ी के तौर पर हमने कभी बाबर की आलोचना नहीं की, बल्कि सिर्फ उनकी कप्तानी की आलोचना की। एक नेता

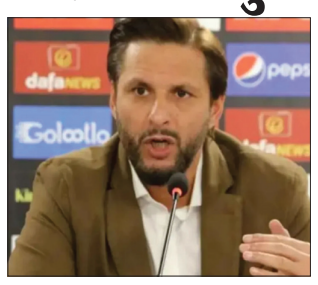

का निर्णय बहुत मायने रखता है। यह कई बार मैच के नतीजे को बदल सकता है, एक कप्तान को खिलाड़ियों के साथ जुड़ने में सक्षम होना चाहिए।

स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज -अर्जुन एरीगैसी की एकल बढ़त कायम

जेरमुक ,अर्मेनिया। भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और दुनिया के नंबर चार शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी नें स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज के छठे राउंड में एक और जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है , अर्जुन नें छठे राउंड में जर्मनी के ग्रांड मास्टर मथियस ब्लूबम को पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज कर ली है । अर्जुन नें क्यूजीडी एक्स्चेंज ओपनिंग में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए ब्लूबम को 43 चालों में पराजित किया । इस जीत के साथ अर्जुन अब लाइव रेटिंग में 2777 अंको के साथ और बेहतर स्थिति हासिल कर ली है अब विश्व नंबर 3 यूएसए के फबियानों करूआना और उनके बीच 18 अंको का फासला बाकी है ।अर्जुन नें पहले दो राउंड में अर्मेनिया के रोबर्ट होवनाशियन और सर्गस्यन शांत को पराजित किया था और उसके बाद उन्होने ईरान के अमीन तबातबाई, यूएसए के सेवियन सेमुयल और अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक से लगातार तीन बाज़ियाँ ड्रॉ खेल चुके है । छह राउंड के बाद अर्जुन फिलहाल 4.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है तो अन्य खिलाड़ियों में ईरान के अमीन तबातबाई, यूएसए के सेवियन सेमुयल, रोमानिया के बोगदान डेनियल 3.5 अंक, अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक,रोबर्ट एच 3 अंक । सर्गस्यन शांत और मेनुएल पेट्रोस्यन 2.5 अंक , फीडे के मुरजिन बोलोदर और जर्मनी के मथियस ब्लूबम 2 अंक बनाकर खेल रहे है ।

टी20 क्रिकेट में हालातों पर नियंत्रण करना आना चाहिये : ब्रेट ली

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। इसके लिए

ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकते हैं।

साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए।

साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी: जॉनी ग्रेव

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में है और वेस्टइंडीज जैसे छोटे क्षेत्रों में खेल के पांच दिवसीय प्रारूप के अस्तित्व को बचाये रखने के साथ-साथ इसके विकास को सुनिश्चित करने में भारत जैसे देश को 'नेतृत्वकर्ता की भूमिका' निभानी होगी।

सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की, लेकिन कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफ्गानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे। ग्रेव वर्तमान में टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी में व्यस्त हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर अपने मन की बात साझा की।

उन्होंने कहा, 'भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है।' ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभाव रहता है।

उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में आईसीसी द्वारा हासिल की गई सबसे बड़ी चीजों में से एक में बीसीसीआई ने काफी समर्थन किया, जो कि क्रिकेट को ओलंपिक में वापस लाना है।' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद हुई वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने से बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। खासकर एसोसिएट सदस्य देश अब इस खेल के विकास के लिए सरकार और ओलंपिक संघों से धनराशि प्राप्त कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप से क्षेत्र में 300 मिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 2010 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी। ग्रेव ने

कहा, 'हम 14 साल के बाद किसी वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। यह काफी मायने रखता है। विश्व कप के लिए हमने छह स्टेडियमों को अपग्रेड किया है। स्टेडियम बेहतर होने का फायदा वहां के घरेलू क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट वेस्टइंडीज को आने वाले कई वर्षों तक होगा।'

वसीम अकरम ने क्यों कहा.. अब कोच को नहीं पूरी टीम को बदलने का समय

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप के पहले दौर में शर्मनाक हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ट्रोल के निशाने पर है। बारिश के चलते यूएसए-आयरलैंड मैच रद्द होने से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। पाकिस्तान टीम को इस बार यूएसए ने हरा दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी करीबी मैच में पाकिस्तान को पटखनी दे दी। पाकिस्तान ने एकमात्र जीत कनाडा के खिलाफ हासिल की। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने पाक क्रिकेटरों के खराब प्रदर्शन पर निशारा जाहिर की है। अकरम ने यूएसए के सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई करने की खबर पर प्रतिक्रिया दी। जहां उन्होंने मोनांक पटेल की टीम को बधाई दी, वहीं अकरम ने पाकिस्तानी टीम को भी दो टूक संदेश दिया। अकरम ने कहा कि अमेरिका को बधाई, उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। अमेरिका ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई किया, वे वहां रहने के हकदार हैं। उन्होंने अपने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराया। पाकिस्तान के लिए अब आगे की क्या योजना है, सवाल पर अकरम ने कहा कि दुबई के लिए ईके 601 (एयरप्लेन)। उसके बाद, हम देखते हैं कि क्या होता है। इसके पहले अकरम ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए चयनकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी सोचते हैं कि अगर वे अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तब कोच बर्खास्त कर दिए जाएंगे और उन्हें कुछ नहीं होगा। यह कोचों को बनाए रखने और पूरी टीम को बदलने का समय है। इस तरह पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने कहा कि शादाब खान को खेलने के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि वह कप्तान बाबर आजम के करीबी हैं और इसका मतलब इस साल के पाकिस्तान सुपर लीग में शीर्ष विकेट लेने वाले लेग स्पिनर उसामा मीर को बाहर करना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झीलों की नगरी उदयपुर से लगभग 80 किलोमीटर झाडौल तहसील में आवारगढ़ की पहाडियों पर शिवजी का एक प्राचीन मंदिर स्थित है जो की कमलनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। पुराणों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना स्वंय लंकापति रावण ने की थी। यही वह स्थान है जहां रावण ने अपना शीश भगवान शिव को अग्निकुंड में समर्पित कर दिया था जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव नें रावण की नाभि में अमृत कुण्ड स्थापित किया था। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है की यहां भगवान शिव से पहले रावण की पूजा की जाती है क्योकि मान्यता है की शिव से पहले यदि रावण की पूजा नहीं की जाए तो सारी पूजा व्यर्थ जाती है।

कमलनाथ महादेव

यहां शिव से पहले की जाती है रावण की पूजा

पुराणो में वर्णित कमलनाथ महादेव की कथा-

एक बार लंकापति रावण भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचे और तपस्या करने लगे, उसके कठोर तप से प्रसन्न हो भगवान शिव ने रावण से वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से लंका चलने का वरदान मांग डाला। भगवान शिव लिंग के रूप में उसके साथ जाने को तैयार हो गए, उन्होंने रावण को एक शिव लिंग दिया और यह शर्त रखी कि यदि लंका पहुंचने से पहले तुमने शिव लिंग को धरती पर कहीं भी रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। कैलाश पर्वत से लंका का रास्ता काफी लम्बा था, रास्ते में रावण को थकावट महसूस हुई और वह आराम करने के लिए एक स्थान पर रुक गया। और ना चाहते हुए भी शिव लिंग को धरती पर रखना पड़ा।

आराम करने के बाद रावण ने शिव लिंग उठाना चाहा लेकिन वह टस से मस ना हुआ, तब रावण को अपनी गलती का एहसास हुआ और पश्चाताप करने के लिए वह वहीं पर पुनः तपस्या करने लगे। वो दिन में एक बार भगवान शिव का सौ कमल के फूलों के साथ पूजन करते थे। ऐसा करते-करते रावण को साढ़े बारह साल बीत गए। उधर जब ब्रह्मा जी को लगा कि रावण की तपस्या सफल होने वाली है तो उन्होंने उसकी तपस्या विफल करने के उद्देश्य से एक दिन पूजा के वक्त एक कमल का पुष्प चुरा लिया। उधर जब पूजा करते वक्त एक पुष्प कम पड़ा तो रावण ने अपना एक शीश काटकर भगवान शिव को अग्नि कुण्ड में समर्पित कर दिया। भगवान शिव रावण की इस कठोर भक्ति से फिर प्रसन्न हुए और वरदान स्वरुप उसकी नाभि में अमृत कुण्ड की स्थापना कर दी। साथ ही इस स्थान को कमलनाथ महादेव के नाम से घोषित कर दिया।

पहाड़ी पर मंदिर तक जाने के लिए आप नीचे स्थित शनि महाराज के मंदिर तक तो अपना साधन लेके जा सकते है पर आगे का 2

किलोमीटर का सफर पैदल ही पूरा करना पड़ता है। इसी जगह पर भगवान राम ने भी अपने वनवास का कुछ समय बिताया था।

ऐतिहासिक महत्व भी है आवरगढ़ की पहाडियों का-

झालौड़ झाला राजाओ की जागीर था। इसी झालौड़ से 15 किलोमीटर की दुरी पर आवरगढ़ की पहाडियों पर एक किला आज भी मौजूद है इसे महाराण प्रताप के दादा के दादा महाराणा ने बनवाया था यह अवारगढ़ के किले के प्रसिद्ध है। जब मुग़ल शासक अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया था, तब आवरगढ़ का किला ही चित्तौड़ की सेनाओं के लिए सुरक्षित स्थान था। सन 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के मध्य हल्दी घाटी का संग्राम हुआ था। हल्दी घाटी के समर में घायल सैनिकों को आवरगढ़ के इसी किले में उपचार के लिए लाया जाता था। इसी हल्दीघाटी के युद्ध में महान झाला वीर मान सिंह ने अपना बलिदान देकर महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे।

झालौड़ में सर्वप्रथम यही होता है होलिका दहन-

हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात झाडौल जागीर में स्थित पहाड़ी पर जहाँ आवरगढ़ का किला स्थित है, वहीँ पर सन 1577 में महाराणा प्रताप ने होली जलाई थी। उसी समय से समस्त झालौड़ में सर्वप्रथम इसी जगह होलिका दहन होता है। आज भी प्रतिवर्ष महाराण प्रताप के अनुयायी झालौड़ के लोग होली के अवसर पर पहाड़ी पर एकत्र होते है जहाँ कमलनाथ महादेव मंदिर के पुजारी होलिका दहन करते है।

इसके बाद ही समस्त झालौड़ क्षेत्र में होलिका दहन किया जाता है। झाडौल के लोगों की होली देश के अन्य लोगों को प्रेरणा देती है, कि कैसे हम अपने त्यौहारों को मानते हुए अपने देश के गौरवशाली अतीत को याद रख सकते हैं।

आखिर क्यों शिव और शक्ति से जुड़े हैं सभी शक्तिपीठ मंदिर ?

भारत में आदिशक्ति के कुल 51 शक्तिपीठ हैं। सभी शक्तिपीठ मंदिर शिव और शक्ति से जुड़े हुऐ हैं। कहा जाता है कि माता सती ने जब अपने शरीर को अग्नि में भस्म कर दिया था भगवान शिव उनके मृतक शरीर को कंधे पर उठा कर अलग-अलग स्थानों पर गए जहां जहां माता सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई जिनमें से एक है माता चिंतपूर्णी शक्तिपीठ। कहा जाता है कि यहां पर माता सती के चरण गिरे इसलिए इस जगह को माता चिंतपूर्णी या छिन्नमस्तिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सोला सिग्ही श्रेणी की पहाड़ी पर है।

चिंतपूर्णी चालीसा में लिखा है की माता चिंतपूर्णी चार शिवलिंग में घिरी हुई हैं जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। इन में से एक मंदिर शिववाड़ी जो गग्रेट के पास है बहुत प्रसिद्ध है दूसरा मंदिर कालेश्वर धाम जोकि अम्ब में पड़ता है। सतलुज दरिया बनने के समय यह दो मंदिर अलोप हो गए थे। जोकि बहुत खोज करने के उपरांत मिले।

तीसरा मंदिर जिसकी लोगों को जानकारी नहीं है। वो मंदिर है नारायण देव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डेरा चौंक से हरिपुर रोड पर बीस किलोमीटर की दूरी पर कासब मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जोकि असल में नारायण देव ही है। चौथा मंदिर मचकूंद महादेव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डल्यिरा चौंक से बाएं होकर आगे एक कीलोमीटर दूरी पर पुली आती है पुली से बाएं हाथ होकर पांच कीलोमीटर की दूरी पर मचकूंद महादेव मंदिर आएगा। मान्यता है कि जो भक्त इन चारों मंदिरों के दर्शन करने के उपरांत माता चिंतपूर्णी के दर्शन करेगा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित ये मंदिर बेहद ही खूबसूरत हैं। हसीन वादियों के बीच समुद्र स्तर से ऊपर 940 मीटर (लगभग 3000 फीट) की ऊंचाई पर चिंतपूर्णी मंदिर स्थित है। मंदिर ऊना जिले के हिल स्टेशन भरवाई से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचने के लिए पंजाब के होशियारपुर शहर से बसें मिल जाती हैं। पंजाब के होशियारपुर रेलवे स्टेशन से 36 मील की दूरी पर है। वैसे यहां पठानकोट जोगिंदर नगर रेल मार्ग से पहुंचा जा सकता है। निकटम रेलवे स्टेशन ज्वालामुखी रोड है जो यहां से 21 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर में क्यों बजाई जाती है घंटी?

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुरातन काल से ही घंटी अथवा घड़ियाल लगाने की परंपरा है। मान्यता है की जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज यथाक्रम आती रहती है, वहां का परिवेश हमेशा साफ-सुथरा, धार्मिक और पावन बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियों पर प्रतिबंध लग जाता है और सकारात्मकता के द्वार खुल जाते हैं। सुख समृद्धि के रास्ते प्रशस्त होते हैं।

स्कंद पुराण के मतानुसार मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने से सौ जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। जब सृष्टि का आरंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी या घडियाल की ध्वनि से वही नाद निकलता है। इसी नाद को ओंकार के पदाघात से भी जाग्रत हुआ माना जाता है। सर्वप्रथम धार्मिक स्थानों में घंटी लगाने का आरंभ जैन और हिन्दू मंदिरों से हुआ तत्पश्चात बौद्ध धर्म और फिर ईसाई धर्म ने इस परंपरा को अपनाया।

मंदिरों में घंटी लगाए जाने के पीछे धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी हैं। घंटी बजाने पर वातावरण में कंपन उत्पन्न होती है। जोकि काफी दूर तक जाती है। इस कंपन से उत्पन्न होने वाली ध्वनि संपूर्ण क्षेत्र में आने वाले जीवाणु, विषाणु और सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है जिससे आसपास का वायुमंडल सात्विक हो जाता है।

जिन धार्मिक स्थानों में प्रतिदिन घंटी बजती है उन्हें जाग्रत देव मंदिर कहा जाता है। देवताओं को जागृत करने का माध्यम है घंटाध्वनि। प्रवेश द्वार के घंटे दर्शनार्थीयों को सूचना देते हैं कि पूजा-आरती का समय हो गया है।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर घंटी बजाने से भगवान का आशीर्वाद और लक्ष्मी की प्राप्ती होती है। अतः घर में देवालय बनाएं तो घंटी अवश्य लगवाएं मंदिरों में, घरों में, पूजा पाठ, प्रवचन में घंटानाद होते रहना चाहिए ताकि चारों ओर शुभता का संचार होता रहे।

पूजा-पाठ

किए बिना भी किया जा सकता है दुखों का नाश

देव पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों मे मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें।

पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में यदि आपके पास पाठ-पूजा का अधिक समय नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा है तो निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमाओं का दर्शन करें। इस मंत्र का जाप आपकी सभी प्रकार के दुखों से रक्षा करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत।।

अर्थात- समस्त जन सुखी हों, स्वस्थ हों, शुभ व मंगल को देखें और कोई भी दुःख का सामना न करें।

ध्यान रखें कि आपसे किसी का अहित न हो और आप सभी अधार्मिक कृत्यों से खुद को दूर रखें।

खतरनाक जेल : जहां सूरज की रोशनी भी नसीब नहीं होती, लोहे के बिस्तर पर सोते हैं कैदी

लंदन-दुनिया में जैसे-जैसे जुर्म बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बेहतर और सुरक्षित जेलों की जरूरत पड़ना लाजमी है। ऐसे में कई देशों ने अपने यहां ऐसे स्पेशल जेल बनाए हैं, जिसमें चिड़िया भी परिंदा भी पर नहीं मार सकता। सेंट्रल अमेरिका में मौजूद देश, एल सैलवाडोर भी ऐसा ही एक देश है, जहां एक खास तरह का जेल बनाया गया है। इस जेल में बेहद खूंखार कैदी होते हैं। यूं तो इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं, मगर उनके रहने की जो स्थिति है, वो बेहद बुरी है और

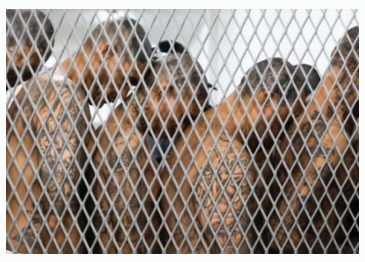

अंदर की तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी। इस जेल में 24 घंटे आर्टिफिशियल लाइट जलती है। जो कैदी एक बार इसके अंदर आ जाता है, वो सूरज की रोशनी नहीं देख पाता। कैदियों को चावल, अंडे, पास्ता, आदि जैसी चीजें परोसी जाती हैं, पर उन्हें ये सब हाथ से ही खाना पड़ता है क्योंकि चाकू-छुरी से वो हमला कर सकते हैं। 100 स्क्वायर मीटर के सेल में 2 टॉयलेट और 2 सिंक है जिसे कैदियों को शेयर करना पड़ता है। उन्हें सिर्फ लोहे की पतली चादर से बने बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्हें पूरे दिन में 30 मिनट खाली वक्त मिलता है, जिसमें वो एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि, उस दौरान उन्हें डंबल या अन्य जिम के अपकरण नहीं मिलते हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप्स इसे मानवाधिकार का ब्लैक होल कहते हैं, जो मानवाधिकार के सारे नियमों-अधिकारों को निगल जाता है। इस जेल में देश के खूंखार अपराधी, ड्रग्स तस्कर, हत्यारे आदि मौजूद हैं। उन्हें काबू में करने के लिए सिपाहियों को कई तरह के हथियार दिए गए हैं। कैदियों के शरीर पर उनके गैंग के निशान टैटू के रूप में बने रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एल सैलवाडोर के टेकोल्यूका शहर में टेरिरिज्म कंफाइनमेंट सेंटर बनाया गया है। इसका निर्माण जनवरी 2023 में पूरा हुआ था और इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं। देश में जुर्म का स्तर काफी ज्यादा था, इस वजह से वहां के राष्ट्रपति नाएब बुकेले ने प्रण लिया था कि वो अपराध को कम करेंगे। नार्को गैंग पर शिकंजा कस्ते हुए उनके राज में ताबड़तोड़ छापेमारी और गिरफ्तारियां हुईं। जिसके बाद बीते 20 महीनों में 70 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकतर कैदियों को इस जेल में डाला गया। ये एक अभेद्य किला है, जिसके अंदर किसी बहारी के लिए घुस पाना, या कैदियों के लिए बाहर निकल पाना असंभव है।

गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए, बख्तरबंद टैंक में विस्फोट

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में शनिवार को हुए विस्फोट में 8 इजराइली सैनिक मारे गए। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक, ये सभी सैनिक नेमर नाम के बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल के अंदर थे। जनवरी में गाजा में एक ब्लास्ट में 21 इजराइली सैनिक मारे गए थे, उसके बाद यह पहला ऐसा हादसा है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने बताया कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। राफा के तल अल-सुल्तान इलाके के उत्तरपश्चिमी हिस्से में हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने निकली इजराइली सेना की एक टुकड़ी करीब 50 आतंकियों को मारकर लौट रही थी। तभी काफिले का एक वाहन ब्लास्ट की चपेट में आ गया। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि अब तक हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह ब्लास्ट इलाके में प्लांट किए गए विस्फोटकों में हुआ या सेना के काफिले की तरफ एंटी-टैंक मिसाइल फायर की गई थी। ब्लास्ट इतना भीषण था कि मरने वाले सैनिकों में से सिर्फ एक की पहचान हो सकी है।

48 साल के शख्स के 165 बच्चे

न्यूयार्क। अमेरिका के ब्रुकलिन में रहने वाले 48 साल के एरी नेगल के पूरी दुनिया में 165 बच्चे हैं। नेगल पेशे के मैथ्स के प्रोफेसर हैं, जो स्पर्म डोनेट करने का काम करते हैं। वे अब तक अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका समेत दुनिया के हर कोने में महिलाओं को स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। इस वजह से उन्हें स्पर्मिनेटर का टैग भी दिया गया है। फादर्स डे से 4 दिन पहले 12 जून को नेगल की 165वीं संतान का जन्म हुआ। उन्होंने कहा है कि जब मैं 50 साल का हो जाउंगा तब स्पर्म डोनेट करना बंद कर दूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें डर है कि 50 की उम्र में स्पर्म डोनेट करने से ऑटिज्म जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का खतरा हो सकता है।

जापान में फैला मांस खाने वाला घातक बैक्टीरिया, महज 2 दिन में ले सकता है लोगों की जान

नई दिल्ली। जापान में एक दुर्लभ मांस खाने वाले बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी फैल रही है, जो 48 घंटों के भीतर लोगों की जान ले सकती है। यह बीमारी जापान में कोविड-काल के प्रतिबंधों में ढील देने के बाद फैल रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फेक्शियस डिजीज के अनुसार, स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) एक आक्रामक बीमारी है जो संक्रमण के 48 घंटों के भीतर घातक हो सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज के अनुसार, इस साल 2 जून तक जापान में एसटीएसएस के 977 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल दर्ज किए गए रिकॉर्ड 941 मामलों से ज्यादा है। यह संस्थान 1विनोद उपाध्याय / 16 जून, 2024 से इस बीमारी के मामलों पर नजर रख रहा है।

बीमारी के लक्षण- ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) आमतौर पर बच्चों के गले में सूजन और गले में खराश पैदा करता है, जिसे स्ट्रेप थ्रोट के रूप में जाना जाता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कुछ प्रकार के बैक्टीरिया के कारण लक्षण तेज़ी से विकसित हो सकते हैं, जिसमें अंगों में दर्द और सूजन, बुखार, लो ब्रेड प्रेशर शामिल हैं, जिसके बाद नेक्रोसिस, सांस लेने में समस्या, ऑर्गन फेल्योर और मौत तक हो सकती है। टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय में संक्रामक रोगों के प्रोफेसर केन किकुची ने बताया कि अधिकांश मौतें 48 घंटों के भीतर हो रही है। जैसे ही मरीज को सुबह पैर में सूजन दिखती है, दोपहर तक यह घुटने तक फैल सकती है और 48 घंटों के भीतर उनकी मौत हो सकती है।

30 फीसदी तक पहुंच सकती है मृत्यु दर- 50 से अधिक उम्र के लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। किकुची ने बताया कि संक्रमण की मौजूदा दर पर, जापान में इस साल मामलों की संख्या 2,500 तक पहुंच सकती है और मृत्यु दर 30 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। किकुची ने लोगों से हाथ की स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी खुले घाव का इलाज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा है कि मरीजों की आंतों में ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस हो सकता है, जो मल के जरिए हाथों को दूषित कर सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, जापान के अलावा, कई अन्य देशों में भी हाल ही में स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के प्रकोप के मामले सामने आए हैं। 2022 के अंत में, कम से कम पांच यूरोपीय देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को इनवेसिव ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस बीमारी के मामलों में हो रही बढ़ोतरी की सूचना दी थी।

आतंकी हमले में सोमालिया के 8 जवान शहीद, 11 घायल

मोगादिशु। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र में सड़क किनारे हुए विस्फोट में एक वरिष्ठ कमांडर समेत सोमाली राष्ट्रीय सेना के 8 सैनिकों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अल-शबाब ने ली है। सोमालिया सरकार ने अल-कायदा से जुड़े इस आतंकवादी संगठन के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। एसएनए के रक्षा बल के प्रमुख इब्राहिम शेख मुहिदीन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सेना कमांडर मोहम्मद ढेरे ने सेक्टर 60 में सोमालिया सेना की आठवीं बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान सैन्य वाहन एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गया, जिससे कमांडर समेत 8 जवानों की मौत हो गई। इस विस्फोट में 11 जवान घायल हुए हैं। मुहिदीन ने कहा कि यह घटना जिरागारोब गांव के पास हुई। यह गांव बेरडेल शहर के बाहरी इलाके में अल-शबाब चरमपंथी समूह का गढ़ है।

बाली, इंडोनेशिया में बाली कला महोत्सव 2024 के दौरान परेड करते कलाकार। इस वर्ष का बाली कला महोत्सव 15 जून से 13 जुलाई तक आयोजित किया गया है।

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टली, नासा ने दूसरी बार टाली स्टारलाइनर की लैंडिंग

वॉशिंगटन । भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टल गई है। ये दूसरा मौका है जब इन दोनों एस्ट्रोनॉट्स की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि विल्मोर और विलियम्स की वापसी को 18 जून तक आगे बढ़ाया गया है। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूएलए के एटलस वी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। स्पेसक्राफ्ट अगले दिन यानी, 6 जून को रात 11:03 बजे आईएसएस पहुंचा था।

इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे, लेकिन दो बार देरी के कारण अब मिशन ड्यूरेशन करीब 2 हफ्ते का हो गया है। नासा के अधिकारी 22 जून को एस्ट्रोनॉट्स की वापसी से पहले दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में लैंडिंग लोकेशन्स मौसम की स्थिति का आकलन करेंगे।

मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने क्या कुछ कहा?

बारी (इटली) (एजेंसी)। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।''

दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं।

पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था। ट्रूडो ने शनिवार को तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण, संवेदनशील मुद्दे के विवरण में नहीं जाऊंगा, जिस पर हमें आगे काम करने की

आवश्यकता है। लेकिन यह आने वाले समय में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता है।''

शुक्रवार शाम बैठक के तुरंत बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेताओं ने ''द्विपक्षीय संबंधों पर संक्षिप्त चर्चा'' की, जिस दौरान ट्रूडो ने मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। कनाडा की प्रेस समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता एन-क्लारा वैलानकोर्ट के हवाले से कहा, ''बेशक, इस समय हमारे दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। आप समझ सकते हैं कि हम इस समय कोई और बयान नहीं देंगे।''

भारत का कहना रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने भू-भाग से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कनाडा को बार-बार अपनी ''गहरी चिंताओं'' से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

अमेरिका चाहता है कि ताइवान पर हमला करे चीन: शी जिनपिंग

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। राष्ट्रपति का दावा है कि अमेरिका ताइवान से युद्ध करने के लिए चीन को उकसा रहा है वो चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीनी राष्ट्रपति का मानना था कि अमेरिका चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को बताया कि अमेरिका ताइवान पर हमले के लिए चीन को उकसाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि जिनपिंग ने अपने घरेलू अधिकारियों को भी चेतावनी दी है।

शी ने अप्रैल 2023 में वॉन डेर लेयेन के साथ मीटिंग की थी। रिपोर्ट में कई लोगों के बयान के आधार पर बताया गया कि जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका चीन को ताइवान पर हमला करने के लिए बरगलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि जिनपिंग ने अपने अधिकारियों को भी इस तरह की चेतावनी दी थी। यह खुलासा ताइवान को लेकर शी के विचारों के बारे में बताता है, जो अमेरिका-चीन के बीच सबसे तनावपूर्ण मुद्दा है। रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ संघर्ष से चीन की कई उपलब्धियां नष्ट हो जाएंगी। इससे 2049 तक एक बड़ा कायाकल्प करने का उनका लक्ष्य कमजोर होगा। यह खुलासा तब हुआ है जब ताइवान जलडमरू मध्य में तनाव बढ़ने लगा है। चीन ने मई में ताइवान के नए राष्ट्रपति के पद संभालने के जवाब में द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया था। ताइवान संबंध अधिनियम के तहत ताइवान को रक्षा प्रदान करना अमेरिका का दायित्व है। कुछ चीनी शिक्षाविदों और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि अमेरिका ताइवान को हथियार देकर चीन को सैन्य टकराव में फंसाने के लिए अन्य उपाय करके बीजिंग को उकसाने में लगा है। जनवरी में एशिया सोसायटी में बोलते हुए वॉशिंगटन में पूर्व चीनी राजदूत कुई तियानकाई ने अमेरिका के परोक्ष संदर्भ में कहा, चीन उस जाल में नहीं फंसेगा जो हमारे लिए बनाया जा रहा है। वॉन डेर लेयेन को कही गई बातें जिनपिंग का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है।

विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है। शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था में चूक को रोकने का प्रयास कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इंसानों के रुप में हमारे ही बीच रह रहे हैं एलियन : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

हार्वर्ड (एजेंसी)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक हालिया स्टडी में दावा किया गया है कि एलियन हमारे बीच रहे हैं, शायद वे ज़मीन के नीचे या चांद पर रहते हों। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन फ्लोरिशिंग प्रोग्राम ने यह भी कहा है कि यूएफओ अंतरिक्ष यान हो सकते हैं जो पृथ्वी पर रहने वाले अपने किसी एलियन दोस्तों से मिलने आते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि 'अज्ञात असामान्य घटना जिन्हें आम तौर पर यूएफओ और परग्रह प्राणी कहा जाता है, वे शायद चांद की निचली सतह में रहते हों या यहां तक कि हमारे बीच घूमते हों। इस शोध में इस विचार को भी परखा गया है कि यूएफओ पृथ्वी पर रहने वाले अपने 'एलियन दोस्तों' से मिलने के लिए आने वाले अंतरिक्ष यान हो सकते हैं। हार्वर्ड वाले यह भी मानते हैं कि कुछ और सबूत और कहानियां हैं जो बताती हैं कि शायद धरती पर ही कई बुद्धिमान जीव रहते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते। इन जीवों को छिपे हुए धरतीवासी (क्रिप्टोटेरेस्ट्रियल) का नाम दिया गया है। ये तो मानो धरती के देवदूत हैं! ये प्राणी टेक्नोलॉजी की बजाय जादू का इस्तेमाल करते हैं और इंसानों से मेलजोल रखते हैं, बिल्कुल परियों या बौनों जैसा। लेकिन, ये कहानी थोड़ी अजीब जरूर लगती है, खासकर उन लोगों को जो सिर्फसाइंस की ही बात मानते हैं।अध्ययन करने वाले मानते हैं कि ज्यादातर वैज्ञानिक उनके इस शोध को शायद ही गंभीरता से लें। फिर भी, वो वैज्ञानिक समुदाय से गुजारिश करते हैं कि वे उनके दावों पर ÷खुले दिमाग और ज्ञान को स्वीकारने की भावना÷ के साथ विचार करें। बताया जा रहा है कि इस शोध पत्र की अभी तक किसी और वैज्ञानिक ने जांच नहीं की है।

दक्षिणी गाजा में 10 लाख विस्थापित फंसे, खाना और पानी तक नहीं हो रहा नसीब

गाजा (एजेंसी)। दक्षिणी गाजा में दस लाख विस्थापित लोग साफ पानी या बुनियादी मानवीय सुविधाओं के बिना फंसे हुए हैं और विनाश का स्तर चौंकाने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ का कहना है कि इलाज से जुड़े सूत्रों ने अल जजीरा को बताया कि शुक्रवार को गाजा में 25 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा शहर के तुफ्फाह इलाके के पड़ोस में एक हमले में एक शिशु की मौत हो गई, जहां 30 लोग घायल भी हुए।

गाजा में एक और फिलिस्तीनी किशोर की भूख से मौत हो गई है। 14 साल का फिलिस्तीनी लड़का मुस्तफा गाजा में कुपोषण से मरने वाला नया पीड़ित है। किशोर के माता-पिता फ़िलिस्तीनी इलाके पर इजरायल के हमले के कारण उत्तरी गाजा से

विस्थापित हुए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजरायली सेना पर खाने-पीने के सामानों को रोकने का आरोप लगाया है, जो युद्धग्रस्त क्षेत्र में बच्चों को भूख से बचा सकते थे। मुस्तफा उन 28 बच्चों में से एक है, जो अब गाजा में इजरायल के हमले के कारण फैली भुखमरी के कारण मर गए हैं। अगर जल्द ही गाजा में खाने-पीने का समान नहीं पहुंचाया गया तो उसकी एक बड़ी आबादी भूख और कुपोषण से मर जाएगी। गाजा में कुपोषण बढ़ने की उम्मीद है, और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने नवंबर की शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी कि कुपोषण बढ़ रहा है और गाजा में आपातकालीन सहायता की आवश्यकता है। वहीं हमास की हथियारबंद शाखा कस्साम ब्रिगेड का कहना है कि इजरायली सेना के हवाई हमलों में गाजा पट्टी में समूह द्वारा पकड़े गए दो इजरायली बंदी मारे गए हैं। इटली में शिखर सम्मेलन के समापन पर जी-7 के नेताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी को गाजा में बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 37,266 लोग मारे गए हैं और 85,102 घायल हुए हैं। हमास के हमलों में इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,139 है और दर्जनों लोग अभी भी गाजा में बंदी हैं।

पाकिस्तान में खूब बढ़ रहे हैं गधे, इनसे चाइनीज का है बड़ा कनेक्शन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में पिछले तीन-चार सालों में देश में गधों की आबादी में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या तेजी से बढ़कर 59 लाख तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में हुए 2023-24 के इकोनॉमिक सर्वे में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या में 1.74 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 'बोझ ढोने वाले जानवरों' की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी। पाकिस्तान में गधों की बढ़ती संख्या का एक कारण उसका सदाबहार सहयोगी चीन है। पाकिस्तान के लिए गधे बढ़ना विदेशी मुद्रा कमाने का एक मौका भी है। पाकिस्तान से चीन हर साल बड़ी संख्या में गधे मंगवाता है।रिपोर्ट के अनुसार, देश में स्थानीय मांग बढ़ने और उत्पादन कम होने के कारण चीन दूसरे देशों से गधों और कुत्तों का आयात करना चाह रहा था। औसतन हर साल 5 लाख गधे चीन को बेचे जाते हैं। इन गधों का इस्तेमाल चीन में मीट, शक्तिवर्धक औषधियों से लेकर पहाड़ी इलाकों में सामान ढोने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करने के लिए गधों का निर्यात करने के इरादे से अपने पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में 3,000 एकड़ से अधिक का एक फार्म भी स्थापित किया था। अपनी तरह के पहले सरकारी स्वामित्व वाले फार्म का उपयोग चीन और अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिकी सहित अच्छी नस्ल के गधों को पालने के लिए किया जाता है। चीन पहले अपने गधों का स्टॉक नाइजर और बुर्किना फासो से आयात करता था, जब तक कि दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों ने उनके निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगा दिया था। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहराई तक जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में गधों का बेहद महत्व है। वे इन इलाकों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इन्हें कृषि से जुड़े कार्यों व यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-चीन के बीच तल्खी, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को हो रहा अरबों का नुकसान

-गहन जांच के चलते चीनी कंपनियों ने निवेश किया बंद, सप्लाई चेन में आ रही अड़चन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत और चीन में कई सालों से सीमा विवाद चल रहा है इसको लेकर कई बार दोनों देशों की सेनाओं में झड़प की खबरें भी सामने आती रही हैं। अब चीन से चल रहा विवाद का असर भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों पर पड़ रहा है। इन कंपनियों को पिछले चार में करीब 15 अरब रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन के साथ जारी तनाव भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को महंगा साबित हो रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव के चलते पिछले चार साल में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को 15 अरब डॉलर का प्रॉडक्शन नुकसान हुआ है इसके साथ ही करीब एक लाख नौकरियों का मौका खो दिया है। चीन के नागरिकों को वीजा जारी करने में देरी और भारत में काम कर रही चीनी कंपनियों की जांच के बीच ऐसा हुआ है। मंत्रालयों को भेजे गए ज्ञापन में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी ने कहा कि भारत ने दो अरब डॉलर के वैल्यू एडिशन नुकसान के अलावा दस अरब डॉलर का निर्यात अवसर भी खो दिया है। रिपोर्ट में कंपनी के लोगों के मुताबिक कहा गया है कि चीनी अधिकारियों के करीब पांच हजार वीजा आवेदन सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की विस्तार योजनाओं में बाधा आ रही है। यह स्थिति तब है जब सरकार ने दस दिन में बिजनेस वीजा आवेदनों को मंजूरी देने के लिए एक व्यवस्था बनाई हुए है।

लॉबी ग्रुप ने केंद्र सरकार से चीनी अधिकारियों के लिए वीजा मंजूरी में तेजी लाने का अनुरोध किया है। इसमें एक महीने से ज्यादा समय लग रहा है। कंपनी के जानकारों का कहना है कि चीनी अधिकारियों की जरूरत टेक और स्किल ट्रांसफर, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की स्थापना और कमीशनिंग, एफिशियंसी प्रोसेसेज की स्थापना और मेंटनेंस के लिए है। चीनी की उन कंपनियों के अधिकारियों के वीजा आवेदन भी लंबित हैं, जिन्हें स्थानीय कंपनियों के साथ पार्टनरशिप में यहां मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाने के लिए बुलाया गया है। आईसीईए ने कहा कि हमारी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) योजना पर असर पड़ा है। जब मोबाइल के लिए पीएलआई योजना शुरू की गई थी, तो उम्मीद थी कि आपूर्ति श्रृंखला चीन से हट जाएगी लेकिन इस गतिरोध के कारण सप्लाई चेन के ट्रांसफर में भारी गिरावट आई है। यह एसोसिएशन ऐपल, ओप्पो, वीवो, डिक्सन टेक्नोलॉजीज और लावा जैसे टॉप मोबाइल ब्रांड्स और मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधित्व करता है। आईसीईए का अनुमान है कि अगर भारत और चीन के बीच बिजनस एक्टिवीज सामान्य होती तो भारतीय कंपनियों का वैल्यू एडिशन वर्तमान में 18फीसदी से बढ़कर 23फीसदी तक पहुंच जाता। इससे घरेलू मोबाइल फोन ईकोसिस्टम में सालाना 15,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त डीवीए कंट्रीब्यूशन होता। आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि हमें उम्मीद है कि एक संतुलित समाधान निकलेगा। इससे उद्योग की चिंताएं दूर होंगी और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों में संतुलन बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने नुकसान की भरपाई कर ली है और वह अधिक प्रतिस्पर्धी बन गया है। फिर भी भारत को वियतनाम, मलेशिया और मैक्सिको जैसे देशों के मुकाबले नए प्रकार का नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिनकी चीन से पूंजी, प्रौद्योगिकी और कौशल तक फ्री एक्सेस का फायदा मिल रहा है।

उद्योग के लोगों का कहना है कि 2020 से भारत-चीन रिश्तों में आई तल्खी के कारण चीनी कंपनियों की गहरी जांच हो रही है। इस कारण इन कंपनियों ने भारत में निवेश करना बंद कर दिया है। इससे सप्लाई चेन के विकास में अड़चन आ रही है। अगर ये कंपनियां भारत छोड़ने का फैसला करती हैं, तो इससे प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज की उपलब्धता पर बड़ा असर पड़ेगा, रोजगार खत्म होगा और बड़ी संख्या में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स बंद हो जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह को गोताखोरी स्थल बनाने में जुटें : विश्वेंद्र

पोर्ट ब्लेयर । अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का पर्यटन विभाग द्वीपसमूह को शीर्ष गोताखोरी स्थल के रूप में प्रदर्शित करने के एक प्रयास के तहत पानी के अंदर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को लेकर कोशिश में जुटा है। इसके बारे में अधिकारियों ने बताया कि उप राज्यपाल एडमिरल (सेवानिवृत्त) डी के जोशी ने योजना को मूर्त रूप देने के लिए संबंधित अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है। पोर्ट ब्लेयर के सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय कार्यालय (आईपीएंडटी) के सचिव विश्वेंद्र ने कहा, ''यह स्थान सुंदर समुद्र तटों, उष्णकटिबंधीय वर्षावन और पहाड़ों से घिरा हुआ है और मुझे लगता है कि यह रोमांच को बढ़ाने के लिए एक आदर्श स्थान है। उन्होंने कहा, ''इस कवायद का उद्देश्य अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को वैश्विक गोताखोरी स्थल की सूची में शामिल करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। बंदरगाह और समुद्र तट की गतिविधियों के अलावा, गोताखोरी के क्षेत्र को लोकप्रिय बनाने और इस हिंद महासागर क्षेत्र में गोताखोरी और साहसिक पर्यटन के लिए अद्वितीय अवसरों को उजागर करने का प्रयास किया जाएगा।'' अधिकारी ने बताया कि आईपीएंडटी इस क्षेत्र में सभी पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का अध्ययन कर रहा है, जिससे आवेदन करने से पहले श्रेणियों को अंतिम रूप दिया जा सके। पूरी कवायद की निगरानी कमांडर इन चीफ अंडमान और निकोबार कमान (सीआईएनसीएएन) एयर मार्शल साजू बालकृष्णन करने वाले है। विश्वेंद्र ने कहा, ''हमारे पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कूबा स्थल में से एक हैं... मैं साहसिक उत्साही लोगों और उन लोगों से अनुरोध करना चाहूंगा, जो जोखिम लेने में विश्वास करते हैं कि वे अधिक से अधिक गहराई में गोता लगाने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की यात्रा करें।

विस्फोटक निर्माण इकाई धमाके मामले में आखिरी घायल की हुई मौत

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक विस्फोटक निर्माण इकाई में हुए धमाके में घायल आखिरी व्यक्ति की भी मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। अस्पताल के निदेशक डॉ.पिनाक डांडे ने बताया कि धमाके में बुरी तरह से झुलस चुके प्रमोद चावरे की मौत हो गई। यह धमाका गुरुवार दोपहर करीब एक बजे शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर धमना गांव स्थित 'चामुंडी एक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड' में हुआ। घटना में घायल नौ लोगों को शहर के दो निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इसमें से छह की गुरुवार को उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने पिछले दो दिनों में दम तोड़ दिया। मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, विस्फोट के समय ज्यादातर पीड़ित कारखाने की पैकेजिंग इकाई में कार्य कर रहे थे। पुलिस ने कारखाने के निदेशक जय शिवशंकर खेमका (49) और प्रबंधक सागर देशमुख को गिरफ्तार किया था।

शूटिंग से समय निकाल स्कूल पहुंची सनी लियोनी

बेंगलुरु । बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी कर्नाटक में अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग में काफी बिजी हैं। हाल में उन्होंने शूटिंग से वक्त निकालकर कब्बाली नामक एक छोटे से गांव के स्कूल का दौरा किया। इसकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में सनी के स्कूल पहुंचने पर छात्र उनसे मिलने के लिए काफी एक्साइटेड हो जाते हैं। अभिनेत्री स्कूल के क्लास रूम में जाती हैं, गेम्स खेलती हैं और स्टूडेंट्स के साथ तस्वीरें क्लिक कराती हैं। सनी ने हाल में तमिल फिल्म 'कोटेशन गैंग' का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में उन्होंने अभिनेता जैकी श्रॉफ की गर्दन पकड़ी हुई है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा 'द फैमिली मैन' फेम प्रियामणि भी लीड रोल में हैं। सनी के पास लेखक अनुराग कश्यप की 'कैनेडी' भी है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, वह हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक अनटाइटल फिल्म पर भी काम कर रही हैं। उनके अपकमिंग मलयालम प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह

-एलन मस्क के बाद राहुल गांधी ने उठाया ईवीएम पर सवाल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद फिर ईवीएम का जिन्न जाग उठा है। दरअसल विदेश में भी ईवीएम के द्वारा चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ईवीएम के जरिए हो रहे चुनाव पर तंज कस दिया है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तब लोकतंत्र एक दिखावा बनाता है, और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है।

इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कुछ मीडिया रिपोर्टस को टैग किया, जिसमें दावा किया गया है कि मुंबई के उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से मात्र 48 वोटों से चुनाव जीतने वाले शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक फोन था, जिससे ईवीएम अनलॉक हो जाता है। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट एक्स के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म करना चाहिए, क्योंकि इस इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है।

बता दें कि देश में तमाम विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं, उन्होंने वीवीपैट पर्चियों की 100 प्रतिशत गणना की मांग की थी, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। वहीं हलिया में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में ईवीएम के जरिए जहां 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया, इसमें 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने मतदान किया है। इन आंकड़ों पर खुशी जताकर भारतीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि भारत ने लोकसभा चुनाव में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आंकड़ा जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है।

डीपफेक रोकने के लिए डिजिटल इंडिया बिल लाएगी मोदी सरकार

एआई के बेहतर इस्तेमाल पर फोकस रहेगा, विपक्ष का समर्थन लेने की भी कोशिश होगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जनरेट किए गए डीपफेक वीडियो और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए मोदी सरकार डिजिटल इंडिया बिल लाने वाली है। इस विधेयक में एआई टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग और तरीकों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की भी कोशिश करेगी। 26 जून से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में सबसे पहले नए सांसदों का शपथ ग्रहण और राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। इसी सत्र में सरकार पूर्ण बजट भी पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, बजट के अलावा सत्र में डिजिटल इंडिया बिल पर भी लंबी बहस हो सकती है। इस बिल में सोशल मीडिया पर जारी होने वाले वीडियो को रेगुलेट करने का भी प्रावधान हो सकता है। पिछले साल तत्कालीन आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि सरकार फेक वीडियो और सोशल मीडिया के वीडियो को रेगुलेट करने का बिल लाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा था कि इस बिल पर लंबी चर्चा और बहस की जरूरत है, जिसमें समय लग सकता है। चुनाव से पहले इसे संसद की पटल पर लाना मुमकिन नहीं लगता। डीपफेक रोकने के लिए केंद्रीय IT मंत्रालय ने नए नियम चुनाव से पहले जनवरी में ही तैयार कर लिए थे। इसके मुताबिक, जो सोशल मीडिया प्लेटफार्म नए नियमों का उल्लंघन करेगा, उसका भारत में कारोबार रोक दिया जाएगा। आईटी मंत्रालय ने बताया था कि 17 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के बीच हुई दो बार मीटिंग हुई। इसमें तय हुआ था कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म डीपफेक कंटेंट को एआई के जरिए फिल्टर करने का काम करेंगे। डीपफेक कंटेंट डालने वालों पर आईपीसी की धाराओं और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज होंगे।

चंद्रशेखर ने मस्क को क्यों दी भारत आकर कुछ सीख लेने की सलाह

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को वोटिंग से हटाने के बारे में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के विचारों पर कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि मस्क को भारत आकर कुछ सीख लेनी चाहिए। मस्क ने पोस्ट में कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म करना देना चाहिए, क्योंकि मानव या एआई द्वारा हैक करने का जोखिम अभी भी बहुत अधिक है। मस्क की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर चंद्रशेखर ने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, यह एक बहुत बड़ा आम बयान है, जिसका मतलब है कि कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता। यह गलत है। चंद्रशेखर के अनुसार, मस्क के सोचने-समझने का तरीका अमेरिका और अन्य स्थानों पर लागू हो सकता है, जहां पर वे इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन बनाने के लिए रेगुलर कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। मस्क ने प्यूटो रिको के प्राथमिक चुनावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी, जिसमें कथित तौर पर मतदान में अनियमितताएं सामने आई थीं। चंद्रशेखर ने मस्क के बयान को खारिज कर कहा कि भारतीय ईवीएम कस्टम-डिजाइन किए गए हैं, सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग हैं। कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ, वाई-फाई, इंटरनेट नहीं; कोई रास्ता नहीं है। फैक्ट्री-प्रोग्राम्ड कंट्रोलर जिन्हें दोबारा प्रोग्राम नहीं किया जा सकता है। चंद्रशेखर ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक उसी तरह से डिजाइन और बनाया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है। एलन, हमें एक ट्यूटोरियल चलाने में खुशी होगी।

पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की 4440 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

फरार चल रहा इकबाल, बेटे जेल में

नई दिल्ली । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित ग्लोबल यूनिवर्सिटी को जब्त किया जा चुका है। यह यूनिवर्सिटी 121 एकड़ में है, इसकी जमीन और बिल्डिंग की कीमत 4440 करोड़ रुपये है। यह अब्दुल वाहिद एजुकेशनल व चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर है। अवैध खनन केस के मामले में ईडी ने कुर्क कर लिया है। ईडी ने लिखा है कि यह ट्रस्ट पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल व उनके परिवार के द्वारा संचालित हो रहा है। इस पूरे मामले में जिलाधिकारी ने कहा कि जैसे ही हमें आदेश मिलेता है, इस पर कार्रवाई होगी। दरअसल, पूर्व एमएलसी इकबाल उर्फ हाजी इकबाल के ऊपर खनन के जो केस चल रहे हैं, उसमें मोहम्मद इकबाल फरार है। जबकि उसके बेटे जेल में हैं। हाजी इकबाल का अभी तक कुछ पता नहीं चला है कि वह किस देश में है। जांच एजेंसी ईडी मोहम्मद इकबाल की जमीन और मकान कुर्क कर चुकी है। इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की बिल्डिंग को अटैच करने के बाद कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के सख्त आदेश हैं कि जो आपराधिक किस्म के लोग हैं या जिन्होंने गुंडागर्दी करके किसी प्रकार की संपत्ति अर्जित की है, उस पर कार्रवाई करे। डीएम ने कहा कि हाजी इकबाल उत्तर प्रदेश के माफियाओं की श्रेणी में है, जिस पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जो पुराने गैंगस्टर के मामले थे या अन्य मामले थे, उसकी संबंधित न्यायालय को रिपोर्ट भेजी गई है। उसमें 506 करोड़ की संपत्ति को न्यायालय के अंतर्गत भेजा गया है, एक दो और प्रकरण हैं, उसकी सुनवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ईडी द्वारा जनपद स्तर से, पुलिस स्तर से, राज्य विभाग से जो संबंधित अभिलेख मांगे गए थे, उन्हें समय से पहुंचाया गया है, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई की है। जैसे ही हमें आदेश मिलेगा, उस पर निरंतर कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार को जम्मू-कश्मीर से जुड़ी विकास परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे गडकरी

श्रीनगर । (एजेंसी)

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जम्मू-कश्मीर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने वाले है।

बैठक में पवित्र गुफा मंदिर तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ यात्रा ट्रैक और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद गडकरी की राज्य में यह पहली बैठक होगी। जोजिला सुरंग सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में निर्माणाधीन हैं। यह सुरंग लद्दाख को सड़क मार्ग के द्वारा जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से पूरे साल जोड़े रखेगी। वर्तमान में सर्दियों के महीनों में राजमार्ग बंद रहता है। बालटाल और पहलगाम दोनों आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा ट्रैक पर राजमार्ग का निर्माण केंद्र की प्राथमिकता सूची में है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) यात्रा ट्रैक को चौड़ा करने, ब्लॉक लगाने, तथा मोड़ और ढलानों को ठीक करने का काम पहले ही कर चुका है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के रामबन-बनिहाल खंड के रखरखाव पर भी बैठक में चर्चा होगी। जम्मू-कश्मीर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं चल रही हैं।

बैठक में इन सभी की समीक्षा की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी बैठक में मौजूद रहने वाले है।

नीट को लेकर उबाल.....दिल्ली से लेकर राजस्थान तक एनएसयूआई सड़कों पर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश भर में नीट यूजी 2024 परीक्षा में हुई धांधली का मामला लगातार जोर पकड़ता जा रहा है। कोटा में भी नीट यूजी परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में रविवार को छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के राजस्थान प्रभारी अखिलेश यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे थे, जहां प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई। इस बीच बैरिकेट्स लांघते समय धक्का मुक्की होने पर पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को लाठियां भांजकर दूर खदेड़ दिया।

एनएसयूआई राजस्थान प्रभारी यादव का कहना है कि एनएसयूआई नीट परीक्षा में धांधली को लेकर देश भर में धरना प्रदर्शन कर रही है। हमारी मांग हैं कि नीट परीक्षा रद्द की जाए और इसकी सीबीआई जांच कराई जाए। पूरे देश भर में नीट परीक्षा को लेकर बवाल मचा हुआ हैं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि पेपर लीक नहीं हुआ है। साधारण और मध्यम परिवारों के लोगों के साथ यह बहुत बड़ा कुठाराघात है। एनटीए के खिलाफ मशाल मार्च निकालने और नीट यूजी की फिर से परीक्षा और सीबीआई जांच की मांग को लेकर एनएसयूआई के सैकड़ो छात्र और कार्यकर्ता दिल्ली में अपने कार्यालयों के बाहर इकट्ठा हुए। एनएसयूआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस बल और बैरिकेडिंग लगाई गई थी। मशाल थामे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एनटीए, शिक्षा मंत्रालय और मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

चौधरी ने कहा कि यह 24 लाख छात्रों के भविष्य का सवाल है। गुजरात के गोधरा में कई तरह की अनियमितताएं पाई गईं और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। यह सब पीएम मोदी के गुजरात में हुआ। इसके पहले पटना में गिरफ्तारियां हुई थीं। वहीं दिल्ली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइशा) ने नीट 2024 के दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में 19 और 20 जून को छात्रों की राष्ट्रीय हड़ताल की घोषणा की है। आइशा दिल्ली राज्य सचिव नेहा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मुद्दे पर चुप्पी की आलोचना करते हुए छात्रों और माता-पिता की दुर्दशा बताई, जो राहत की तलाश में हैं। जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय ने एनटीए की निंदा करते हुए नीट 2024 की अनियमितताओं को एक गहरे प्रणालीगत समस्या का लक्षण बताया।

संसद परिसर में लगी महापुरुषों की प्रतिमाएं हटाने का मुद्दा उठाएगा इंडिया गठबंधन

-सांसद थरुर बोले- समिति की अनुपस्थिति में इन मामलों पर फैसले कौन ले रहा है?

नई दिल्ली। (एजेंसी)

संसद परिसर में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य महापुरुषों की प्रतिमाएं उनके स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने से जुड़े मुद्दे को इंडिया' गठबंधन संसद के आगामी सत्र में उठाएगा। यह बात कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए दी। संसद सत्र आगामी 24 जून से शुरु होगा और यह 18वीं लोकसभा की पहली बैठक होगी। जानकारी के मुताबिक सांसद शशि थरूर ने कहा कि संविधान में संसद कार्यपालिका के समान ही एक संप्रभु अंग है। यह सदस्यों की संपत्ति है। संसद में प्रतिमाओं और चित्रों से संबंधित एक समिति होती है जो इन मामलों पर फैसले लेती है। अब कई सालों से इसका पुनर्गठन नहीं किया गया है। इसकी अनुपस्थिति में इन सभी मामलों पर फैसले कौन ले रहा है? थरुर ने कहा कि कार्यपालिका को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। आदर्श रूप से नए सदन और समिति को इस प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए थी और फैसला लेना चाहिए था। केंद्र सरकार ने यह कदम उठाकर संसद के विशेषाधिकारों का हनन किया है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आप सही कह रहे हैं। जब संसद दोबारा शुरु होगी तो 'इंडिया गठबंधन' को इस मुद्दे को उठाने पर विचार करना चाहिए और वह ऐसा करेगा भी। यहां तक कि केंद्र सरकार के एनडीए गठबंधन के भी कई सांसदों ने उनसे इस बारे में बात की है। रमेश ने पीएम मोदी की जी7 शिखर सम्मेलन में उपस्थिति को लेकर पोस्ट में लिखा- इटली में जी7 में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत, जॉर्डन, केन्या, मॉरिटानिया, ट्यूनीशिया, तुर्किये, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात और वेटिकन सिटी को आमंत्रित किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई